RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 14 ■ अंक - 27 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 19-08-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 जनभागीदारी राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम : मेघवाल

6 वेनेजुएला के बाद इंडोनेशिया में भूकंप ने दहलाई दुनिया

7 इंडस्ट्री में मैं जनता को खुश करने के लिए आई हूं : काजल राघवानी

फर्स्ट टेक

काबुल में स्कूल के पास ग्रेनेड हमला, कई बच्चे घायल

काबुल/एपी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक स्कूल के पास हुए ग्रेनेड हमले में कई बच्चे घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जादरान ने सोमवार देर रात कहा कि ''कई बच्चे'' घायल हुए हैं और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी।
अफगानिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत रिचर्ड बेनेट ने सोमवार को हुए इस हमले की मंगलवार को निंदा की। बेनेट ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए स्वतंत्र जांच जरूरी है। उन्होंने लिखा, एक बार फिर काबुल के हजारा बहुल इलाके को निशाना बनाया गया है। निंदनीय!
अफगान मीडिया ने बताया कि विस्फोट में करीब 50 बच्चे घायल हुए।

ईरान के साथ बातचीत की कोई योजना नहीं : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान के साथ बातचीत की कोई योजना नहीं है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक जहाज पर हमले की खबर के बावजूद यह जलमार्ग ''खुला हुआ'' है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में इस जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही कम हो रही है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वहां अमेरिकी नाकेबंदी ''पूरी तरह से लागू'' है और दावा किया कि सभी समुद्री बारूदी सुरंगें हटा दी गई हैं। उनका यह पोस्ट अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत के 60 दिनों का दौर इस हफ्ते खत्म होने के बाद आया है।

छात्र देश का भविष्य, उन्हें संवैधानिक मूल्यों के बारे में पढ़ना चाहिए : प्रियंका गांधी

शिमला/भाषा। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि छात्र भारत का भविष्य हैं और उन्हें स्कूलों में संवैधानिक मूल्यों, समानता एवं भाईचारे की भावना के बारे में पढ़ना चाहिए तथा उनकी अहमियत समझनी चाहिए। प्रियंका ने ये बातें हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में देवरी स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन में कक्षाएं शुरू होने के अवसर पर छात्रों के लिए जारी अपने संदेश में कहीं। यह विद्यालय अगस्त 2023 में आई भीषण बाढ़ में बह गया था। प्रियंका ने विनाशकारी बाढ़ को याद करते हुए कहा कि सभी ने हिम्मत के साथ इस आपदा का सामना किया। उन्होंने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और भविष्य में स्कूल का दौरा करने का वादा किया। प्रियंका ने बाढ़ के बाद 12 सितंबर 2023 को देवरी की यात्रा की थी। मंगलवार को उन्हें स्कूल का दौरा करना था, लेकिन खराब मौसम के कारण उनका कार्यक्रम रद्द कर दिया गया।

टाटा संस की एजीएम कोरम पूरा न होने के कारण स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। एक अरब 80 करोड़ डॉलर कारोबार वाले टाटा समूह की मूल कंपनी टाटा संस की मंगलवार को निर्धारित वार्षिक आम बैठक (एजीएम) कोरम पूरा नहीं होने के कारण स्थगित करनी पड़ी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) संयुक्त रूप से बैठक के लिए अपना प्रतिनिधि नामित नहीं कर सके, जिसके कारण बैठक के लिए जरूरी न्यूनतम संख्या (कोरम) पूरी नहीं हो सकी और बैठक स्थगित करनी पड़ी। एक सदी से अधिक समय में यह पहला मौका है जब टाटा संस की एजीएम इस तरह स्थगित हुई है।
एसआरटीटी और एसडीटीटी व्यापक टाटा ट्रस्ट समूह की दो प्रमुख संस्थाएं हैं। इन दोनों की टाटा संस में सम्मिलित रूप से 51 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। एसआरटीटी पर महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने कोई बड़ा निर्णय लेने या बैठक करने से रोक लगाई हुई है। इस वजह से एसआरटीटी एजीएम के लिए अपना प्रतिनिधि नामित नहीं कर सका। एसआरटीटी के सामने मौजूद समस्याओं के बावजूद टाटा संस ने मंगलवार की एजीएम को पहले से पुनर्निर्धारित या स्थगित नहीं किया था।
इसके अलावा एजीएम स्थगित होने के बाद भी अगली बैठक की तारीख को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। टाटा संस के आंतरिक नियमों के अनुच्छेद 86 के मुताबिक, एजीएम में कम-से-कम पांच सदस्यों की व्यक्तिगत मौजूदगी जरूरी है। इसमें एसआरटीटी और एसडीटीटी द्वारा संयुक्त रूप से नामित प्रतिनिधि भी शामिल है, बशर्ते दोनों ट्रस्ट की संयुक्त हिस्सेदारी कम-से-कम 40 प्रतिशत हो।

'नीट' प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ज्यादतियों की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करेगी शीर्ष अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खंडपीठ उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के नेतृत्व में हुए आंदोलन के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की ज्यादतियों और पुलिसकर्मियों के खिलाफ हिंसा के आरोप लगाए गए थे। खंडपीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से उन प्राथमिकी की जानकारी मांगी जिनमें छात्र प्रदर्शनकारियों को आरोपी बनाया गया है और जिन्हें रद्द किया जाना है।

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली में प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस की ज्यादती तथा पुलिसकर्मियों के विरुद्ध हिंसा के आरोपों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करेगी जिसमें सेवानिवृत्त न्यायाधीश, एक पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एवं केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के पूर्व निदेशक शामिल होंगे। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की खंडपीठ ने कहा कि समिति में शामिल किए जाने वाले अन्य सदस्यों के बारे में अलग-अलग पक्षों से सुझाव मिलने के बाद उसके गठन का आदेश बुधवार को जारी किया जाएगा। खंडपीठ ने कहा कि इस उच्च-स्तरीय समिति को तथ्यों का पता लगाने का काम सौंपा जाएगा और उसे सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करायी जायेंगी।
उच्चतम न्यायालय ने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि समिति उसके पास आने वाले किसी भी पीड़ित की बात तत्काल सुनेगी और उसे अपनी बात रखने का मौका देगी। हम समिति की ओर से समय-समय पर दी जाने वाली सिफारिशों का इंतजार करेंगे और उसके बाद जरूरी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले कई याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने शीर्ष अदालत में कहा था कि विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने की वजह से अधिकारियों और आम लोगों ने उनके मुवक्किलों को निशाना बनाया। शीर्ष अदालत ने कहा कि समिति महिला प्रदर्शनकारियों के साथ यौन उत्पीड़न और ऑनलाइन उत्पीड़न तथा सोशल मीडिया के जरिए अन्य कमज़ोर लोगों को परेशान किए जाने के आरोपों की भी जांच करेगी।
न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, ''जो भी इसके लिए जिम्मेदार है, उसके लिए कोई बहाना नहीं चलेगा और न ही किसी भी रूप में उसे सही ठहराया जायेगा। इसे गंभीरता से लिया जाए और मामले को तार्किक अंजाम तक पहुंचाया जाए। इसीलिए हम एक उच्च स्तरीय समिति बना रहे हैं। समिति इन मामलों के हर पहलू की जांच करेगी।'' उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा कि समिति उन महिला प्रदर्शनकारियों की शिकायतों और आरोपों की भी जांच करेगी, जिन्हें कथित तौर पर दिल्ली और अन्य इलाकों में विरोध मार्च के दौरान निशाना बनाया गया था। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वह दिल्ली में 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के वीडियो फुटेज और सीसीटीवी रिकॉर्डिंग जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति को सौंपने का निर्देश देगी।
खंडपीठ उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के नेतृत्व में हुए आंदोलन के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की ज्यादतियों और पुलिसकर्मियों के खिलाफ हिंसा के आरोप लगाए गए थे। खंडपीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से उन प्राथमिकी की जानकारी मांगी जिनमें छात्र प्रदर्शनकारियों को आरोपी बनाया गया है और जिन्हें रद्द किया जाना है। इससे संकेत मिलता है कि शीर्ष अदालत संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल कर सकती है।
पीठ ने छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामले रद्द करने का विरोध कर रहे एक वकील से कहा, छात्रों का भविष्य दांव पर है। हमें इस पर विचार करना होगा। उनका पूरा भविष्य सामने है। उन्हें अनुच्छेद 19 के तहत प्रदर्शन करने का अधिकार है। मेहता ने कहा कि पुलिस ने 2,800 से अधिक ऐसे ''असामाजिक तत्वों'' की पहचान की है जो पहले गंभीर अपराधों में शामिल रहे हैं और 20 जुलाई के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के लिए जिम्मेदार थे। हिंसा के कई पीड़ितों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकीलों-- मेनका गुरुस्वामी, वृंदा ग्रोवर और एन. हरिहरन ने कहा कि पुलिस को निगरानी तकनीक, चेहरे की पहचान की तकनीक और दूसरे डिजिटल तरीकों से निगरानी करने की तकनीक का इस्तेमाल करने एवं किसी निजी कंपनी के पास डेटा संभालकर रखने का अधिकार नहीं है, क्योंकि यह लोगों की निजता का उल्लंघन है।

युवा कौशल दिवस

कौशल विकास, उद्यमिता एवं आजीविका विभाग तथा कर्नाटक कौशल विकास निगम द्वारा बेंगलूरु के विधान सौधा बैंक्वेट हॉल में आयोजित विश्व युवा कौशल दिवस समारोह कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार।

'डॉकिंग' तकनीक भविष्य के चांद और अंतरिक्ष अभियान के लिए जरूरी है : इसरो अधिकारी

लखनऊ/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि भविष्य में चंद्रमा और अंतरिक्ष अभियानों के लिए 'डॉकिंग तकनीक' बेहद महत्वपूर्ण होगी। बेंगलूरु स्थित इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क के निदेशक एम. आर. राघवेंद्र ने लखनऊ में सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (सीएमएस) के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह को संबोधित किया। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय शुभांशु शुक्ला सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के छात्र रहे हैं।
राघवेंद्र ने इसरो के सफल स्पेस डॉकिंग प्रयोग का उल्लेख करते हुए कहा, डॉकिंग एक बहुत ही दिलचस्प प्रयोग है। हमने इसे किया है क्योंकि यह भविष्य में बहुत काम आ सकता है। उन्होंने कहा, अब हम चांद पर पहुंच चुके हैं। अब हम चांद से कुछ नमूने लाना चाहते हैं और ऐसा करने के लिए हमें डॉकिंग' की जरूरत होगी। एक ऑर्बिटर चांद की परिक्रमा करेगा और एक लैंडर नमूने एकत्र करने के बाद ऑर्बिटर के पास आएगा और उससे जुड़ेगा। इसके बाद नमूने धरती पर वापस लाए जाएंगे। राघवेंद्र ने कहा कि 'डॉकिंग' भारत के प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' (बीएएस) के लिए भी जरूरी होगी।

भारतीय सेना प्रमुख जनरल सेठ ने नेपाल के प्रधानमंत्री शाह से मुलाकात की

काठमांडू/भाषा। भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को नेपाल के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री बालेंद्र शाह से मुलाकात की और आपसी हित के मुद्दों तथा सैन्य संबंधों को मजबूत करने के तौर- तरीकों पर चर्चा की। दोनों पड़ोसी देशों के रिश्तों में तनाव के बीच सिंह दरबार में प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के कार्यालय में हुई इस मुलाकात के

दौरान नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री सचिवालय के सूत्रों के मुताबिक बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने आपसी हित और द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को मजबूत करने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।
इस महीने की शुरुआत में, प्रधानमंत्री शाह ने भारतीय राजदूत श्रीवास्तव के साथ अपनी पहली आमने-सामने की बैठक की थी और भारत के साथ देश के ऐतिहासिक संबंधों' को और मजबूत करने की आवश्यकता को रेखांकित किया था।

बातचीत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को नई दिल्ली में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की ऑल इंडिया गर्ल्स हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग ट्रेक 'अपराजिता परांग ला 2026' के फ्लैग-ऑफ समारोह के दौरान एनसीसी कैडेटों के साथ बातचीत की।

वंदे मातरम् के 'अपमान' को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर हमला बोला

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कहा कि गोवा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी वाले एक कार्यक्रम में वंदे मातरम् के केवल दो अंतरे गाए गए और पार्टी वोट बैंक की ''राजनीति'' के कारण अपनी ही परंपराओं से समझौता कर रही है। खरगे सोमवार को गोवा के वेरना में बूथ कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में शामिल हुए थे, जहां वंदे मातरम् के केवल दो अंतरे गाए गए थे।
भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर कांग्रेस राष्ट्रगीत का सम्मान नहीं करना चाहती, तो उसे स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत पर एकाधिकार का दावा करना बंद कर देना चाहिए।उन्होंने कहा, ''अगर कांग्रेस पार्टी महान राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के साथ ऐसा कर रही है, तो उसे स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत के संरक्षक होने के एकाधिकार का दावा करना बंद कर देना चाहिए।'' प्रसाद ने आरोप लगाया कि वंदे मातरम् के केवल दो अंतरे गाने का कांग्रेस का फैसला 1930 के दशक में मुस्लिम लीग के दबाव से जुड़ा है।

19-07-2026 सूर्यास्त 6:28 बजे | 20-08-2026 सूर्योदय 5:59 बजे
BSE 77,235.46 (-492.70) | NSE 24,154.90 (-132.75)
सोना 16,056 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 255,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मैं ढूंढ रहा हूं

वैज्ञानिक ढूंढ रहे तन की,
जैविक चाबी के सूत्र आज।
नेतागण ढूंढ रहे मन की,
बातों से ही सारे इलाज।
बाजार ढूंढता उस धन को,
जिस पर ना हो कर और ब्याज।
मैं ढूंढ रहा हूं उस जन को,
ना चाहे छत कपड़ा अनाज।।

बंधक हाथियों की सही देखरेख हो, उन्हें भी मिले दैवीय सम्मान : शीर्ष अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि हाथियों को देव स्वरूप मानकर उनका सम्मान किया जाना चाहिए। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि देशभर में कैद करके रखे गए हाथियों की सही देखभाल और स्वास्थ्य जांच होनी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) 'वाइल्डलाइफ रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर' की एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत मंदिरों में रखे गये हाथियों के इस्तेमाल से जुड़े धार्मिक अधिकारों या आस्था के मामलों में दखल नहीं देगी। पीठ ने कहा कि उसका मकसद सिर्फ़ जानवर की सही देखभाल सुनिश्चित करना है और निजी लोगों, मंदिरों, वन विभागों, चिड़ियाघरों और पुनर्वास केंद्रों को अपने यहां रखे गये हाथियों के लिए देखभाल का बेहतर तरीका अपनाना चाहिए।
शीर्ष अदालत ने कहा, हम इस बात में नहीं जा रहे हैं कि कोई मंदिर हाथी रख सकता है या नहीं। हम किसी भी व्यक्तिगत अधिकारों या धार्मिक अधिकारों पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। हमें धार्मिक अधिकारों और इस क्षेत्र में लागू अन्य कानूनों के बीच सामंजस्यपूर्ण ढंग से तालमेल बिठाने की आवश्यकता है। पीठ ने यह भी कहा कि देवताओं के प्रति सम्मान का भाव हाथियों के मामले में भी दिखाया जाना चाहिए। न्यायालय ने केंद्र को आवश्यकतानुसार अनिवार्य दिशानिर्देश जारी करने और संबंधित राज्यों के साथ इस मामले को उठाने

का निर्देश दिया, ताकि विशेष सुविधाओं वाले हाथी क्लीनिकों की स्थापना के लिए एक प्रभावी और पारदर्शी व्यवस्था शुरू की जा सके। हाथी मालिकों को इन क्लिनिकों में अपने हाथियों को समय-समय पर जांच के लिए ले जाना अनिवार्य किया जाएगा।
शीर्ष अदालत ने कहा कि प्रत्येक बंधक हाथी का उचित मेडिकल रिकॉर्ड ठीक से बनाए रखा जाना चाहिए और निगरानी समिति यह सुनिश्चित करेगी कि जहां भी आवश्यकता हो, नियमित रूप से इलाज उपलब्ध कराया जाए। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बंधक हाथियों की ''स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण समिति'' (सीईएचडब्ल्यूसी) की कार्यवाही पर 25 फरवरी का एक कार्यालय ज्ञापन रिकॉर्ड पर रखा। दस्तावेज के अनुसार, देश में बंधक हाथियों की संख्या बढ़कर 2,725 हो गई है, जिनमें से 1,678 हाथी निजी व्यक्तियों के पास थे, 47 सर्कस में, 96 मंदिरों में, 768 वन विभागों के पास, 63 चिड़ियाघरों में और 332 पुनर्वास केंद्रों में थे।
याचिकाकर्ता एनजीओ की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अपर्णा भट ने दलील दी कि 2019 से अबतक करीब 300 हाथियों को बंधक बनाया गया, जबकि लगभग 200 हाथियों की जान चली गई। केरल के मंदिरों के प्रबंधन निकायों की ओर से हस्तक्षेप करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने कहा कि राज्य में जब भी कोई त्योहार होता है, तब हर बार ऐसी याचिकाएं अदालतों में आ जाती हैं। उन्होंने कहा कि केरल के मंदिरों में बंधक हाथियों की अच्छी देखभाल की जाती है, जिसमें उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए रेडियो टैगिंग भी शामिल है।
परमेश्वर ने कहा कि हाथियों के स्वास्थ्य और रखरखाव से जुड़े नियम बहुत सख्त हैं और उनका पूरी तरह से पालन किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि केरल के मंदिर उत्सवों में हाथियों का उपयोग आस्था का एक अनिवार्य हिस्सा है। भट ने इस दलील पर आपत्ति जताई और कहा कि उनकी याचिका का किसी भी धार्मिक मामले से कोई लेनादेना नहीं है। हालांकि, उन्होंने रेखांकित किया कि धार्मिक जुलूसों में इस्तेमाल में होने वाले हाथी निजी व्यक्तियों के स्वामित्व में होते हैं और उत्सव समाप्त होने के बाद, उन्हें उनके मालिकों को वापस लौटा दिया जाता है।

जयशंकर, सीतारमण, गोयल अहम वार्ता के लिए सिंगापुर जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नईदिल्ली/भाषा। भारत और सिंगापुर बृहस्पतिवार को अपने शीर्ष मंत्रियों की बैठक के दौरान व्यापार, निवेश, उन्नत विनिर्माण एवं डिजिटलाइजेशन जैसे कई अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचार करेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद चौथे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए सिंगापुर जाएंगे। अपनी यात्रा के दौरान मंत्री अपने समकक्षों से बातचीत करेंगे और सिंगापुर के नेतृत्व से भी मुलाकात करेंगे।

सिंगापुर आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संगठन) में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

कोलकाता में तीन मंजिला पुरानी इमारत का हिस्सा ढहा, महिला की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के मालापाड़ा इलाके में मंगलवार सुबह तीन मंजिला पुरानी इमारत का एक हिस्सा ढहने से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब पांच बजे हुई। इसके बाद पुलिस और आपदा प्रबंधन कर्मी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

उन्होंने कहा, पुरानी इमारत का एक हिस्सा आज सुबह ढह गया। मलबे में फंसी एक महिला को निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मलबे में फंसे अन्य सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतका की पहचान उर्मिला साहू के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह इमारत करीब 200 साल पुरानी थी। पुलिस को आशंका है कि सोमवार को कोलकाता में हुई भारी बारिश के कारण इमारत की संरचना कमजोर हुई होगी। अधिकारी ने हालांकि कहा कि इमारत गिरने के वास्तविक कारण का पता लगाया जा रहा है।

सतीशन ने विड़िण्गम से कंटेनर को हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने मंगलवार को विड़िण्गम से दो कंटेनर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही वहां के अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह से आयात-निर्यात (एक्जिम) की शुरुआत हो गई। सतीशन ने राज्य के उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी एवं वाणिज्य मंत्री पीके कुन्हालीकुट्टी और कांग्रेस विधायक एम विंसेंट के साथ मिलकर मिशन 'समुद्र' की भी शुरुआत की, जो बंदरगाह-आधारित औद्योगिक और आपूर्ति शृंखला विकास योजना है।

सतीशन ने कहा कि एक्जिम परिचालन की शुरुआत केरल की विकास यात्रा में एक अहम पल है, क्योंकि अब यहां से दुनिया के किसी भी बंदरगाह पर सामान भेजा जा सकता है और जल्द ही वस्तुओं का आयात भी शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि विड़िण्गम ऑटोमेटेड एल्गॉरिद्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आधारित प्रणालियों से लैस भारत का पहला बंदरगाह है। सतीशन ने कहा कि अगर पिछले 10 वर्षों में रेल और सड़क संपर्क का काम पूरा हो गया होता, तो राज्य को जो फ़ायदा होता वह अभी होने वाले फ़ायदे से 100 गुना ज़्यादा होता। उन्होंने कहा कि संपर्क सुविधाओं में देरी जरूर हुई है, लेकिन अब भी बहुत देर नहीं हुई है और मौजूदा सरकार इसे दूर करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''सत्ता में आने के बाद इस सरकार के शुरुआती फैसलों में 15,000 करोड़ रुपये की रिंग रोड परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण के वास्ते 3,200 करोड़ रुपये देना शामिल था। अगर हमने यह काम पहले कर लिया होता, तो इसकी लागत केवल 1,600 करोड़ रुपये आती।'' उन्होंने कहा, ''रियायत समझौते में शामिल सरकार की जो भी जिम्मेदारियां पिछले 10 वर्षों में पूरी नहीं हो पाईं, उन्हें तय समयसीमा के भीतर पूरा किया जाएगा।'' सतीशन ने कहा कि सरकार का मकसद बंदरगाह से जुड़े लॉजिस्टिक पार्क, माल भंडारण केंद्र, कंटेनर प्रतीक्षा केंद्र, मुक्त औद्योगिक क्षेत्र और मछली प्रसंस्करण क्षेत्र आदि बनाना है, जिसके लिए 'इंफ्रास्ट्रक्चर केरल लिमिटेड' (इंकेल) और केरल औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम (किंफ्रा) को तिरुवनंतपुरम में जरूरी जमीन हासिल करने का निर्देश दिया गया है।

उन्होंने कहा कि निर्यात-आयात परिचालन की शुरुआत के तहत रवाना किए गए दोनों कंटेनर में इडली, सांभर और केले के पकौड़े समेत विभिन्न खाद्य उत्पाद थे। सतीशन ने कहा कि राज्य सरकार काजू और नारियल के रेशे (कॉयर) जैसे पारंपरिक उत्पादों का दुनिया के सभी हिस्सों में निर्यात करने की योजना पर भी काम कर रही है। उन्होंने मिशन समुद्र' का जिक्र करते हुए कहा कि इसका मकसद अंतरराष्ट्रीय समुद्री बंदरगाहों, एक कंटेनर केंद्र और 18 छोटे बंदरगाहों को आपस में जोड़कर केरल को एक बंदरगाह-शहर में बदलना है।

उच्च न्यायालय ने अयोध्या में प्रस्तावित होटल परियोजना को रोकने वाले आदेश को रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने मंगलवार को उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसके तहत भूमि अधिग्रहण के आधार पर अयोध्या में प्रस्तावित एक होटल परियोजना को रोक दिया गया था। अदालत ने कहा कि निवेश को प्रोत्साहित करने वाली राज्य सरकार की नीतियों के तहत किए गए वादों और लिए गए निर्णयों का सरकारी विभागों को सम्मान करना चाहिए। न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की पीठ ने आवास आयुक्त द्वारा 29 मई 2024 को पारित आदेश को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया।

अदालत ने राज्य सरकार को छह सप्ताह के भीतर कानून के तहत संबंधित भूमि को अधिग्रहण से मुक्त करने के संबंध में निर्णय लेने का निर्देश दिया है। मामला अयोध्या के कुड़ाकेशवपुर उपरहार गांव में स्थित 2,530 वर्ग मीटर भूमि से जुड़ा है। इस भूमि पर याचिकाकर्ता कल्पना निगम की होटल परियोजना रामकुलम रेजीडेंसी' प्रस्तावित थी। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने 17 जुलाई 2023 को होटल का नक्शा स्वीकृत किया था, जबकि आवास विकास परिषद ने भूमि अधिग्रहण संबंधी अधिसूचना 19 अगस्त 2023 को प्रकाशित की थी। अदालत ने माना कि होटल का नक्शा स्वीकृत होने के बाद भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना जारी की गई और निर्माण प्रक्रिया भी उससे पहले शुरू हो चुकी थी। पीठ ने कहा कि सरकारी विभागों को राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई नीतियों के तहत किए गए वादों और लिए गए निर्णयों का सम्मान करना चाहिए। पीठ ने कहा कि 'इन्वेस्ट यूपी' की बैठकों में इस मुद्दे पर पहले ही विचार किया जा चुका है और यह निर्णय लिया था कि जिन होटल परियोजनाओं के नक्शे भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना जारी होने से पहले स्वीकृत हो चुके हैं, उन्हें अधिग्रहण की प्रक्रिया से बाहर रखा जाना चाहिए। राज्य की निवेश नीतियां निवेशकों के बीच अपेक्षा पैदा करती हैं और सरकारी अधिकारी इन नीतियों की प्रतिबद्धताओं से मनमाने ढंग से पीछे नहीं हट सकते। पीठ ने याचिकाकर्ता की इस दलील पर भी गौर किया कि परियोजना को राज्य के निवेश और पर्यटन प्रोत्साहन ढांचे के तहत विकसित किया जा रहा था और अधिकारियों ने शुरुआत में इस परियोजना को भूमि अधिग्रहण से छूट के लिए योग्य माना था।

तटरक्षक बल ने डूबती नाव से नौ मछुआरों को बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दमन/भाषा। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) की दमन इकाई ने मंगलवार को अरब सागर में कथित तौर पर डूब रही एक नौका से नौ मछुआरों को सुरक्षित बचा लिया। इनमें से तीन मछुआरे घायल थे। तटरक्षक बल ने यह जानकारी दी।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, नौ मछुआरों को लेकर जा रही मछली पकड़ने वाली भारतीय नौका के डूबने की सूचना मिलने के बाद दमन स्थित आईसीजी एयर स्टेशन (आईसीजीएएस) ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। बचाव अभियान के लिए आईसीजीएएस ने एक चेतक हेलीकॉप्टर को नौका की बताई गई स्थिति पर भेजा और सभी नौ मछुआरों को सुरक्षित निकाल लिया।

विज्ञप्ति में कहा गया है, ''बचाव अभियान के दौरान पता चला कि तीन मछुआरों को मामूली चोटें आई हैं। उन्हें दमन स्थित आईसीजीएएस लाया गया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया।'' तटरक्षक बल ने कहा कि उसके त्वरित और समन्वित प्रयासों से संभावित हादसा टल गया।

त्विषा शर्मा की मौत फंदे से लटककर आत्महत्या करने के कारण हुई थी : एम्स मेडिकल बोर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदालत के आदेश पर दोबारा पोस्टमार्टम करने वाले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के मेडिकल बोर्ड के अनुसार, त्विषा शर्मा की मौत फंदे से लटककर आत्महत्या करने के कारण हुई थी। मेडिकल बोर्ड ने अपनी अंतिम फॉरेंसिक राय एक सीलबंद लिफाफे में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपी, जिसके बाद सीबीआई ने सोमवार को भोपाल की एक विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया। सीबीआई ने पूर्व अभिनेत्री-मॉडल त्विषा के पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। उन पर त्विषा को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप है। त्विषा मई में, भोपाल स्थित अपने ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई थी। सैकड़ों पन्नों के अनुलग्नक वाले 31 पन्नों के आरोपपत्र में, (त्विषा और समर्थ की) शादी के छह महीनों के दौरान समर्थ और सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश गिरिबाला (त्विषा की सास) द्वारा त्विषा को कथित तौर पर दी गई मानसिक प्रताड़ना का विवरण है।

पूर्व मिस पुणे को यह कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर करने वाले लगातार ''मानसिक उत्पीड़न'' का भयावह ब्योरा देते हुए, एजेंसी ने अपने आरोपपत्र में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की उन धाराओं का हवाला दिया जो पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा महिला के साथ क्रूरता करने, आत्महत्या के लिए उकसाने और साझा इरादे से संबंधित हैं। त्विषा की शादी पिछले साल दिसंबर में समर्थ से हुई थी। वह इस वर्ष 12 मई को अपने ससुराल में फंदे से लटकी हुई मिली थी। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि समर्थ उसे एम्स भोपाल ले गया था, जहां उसने दावा किया कि त्विषा ने रात 10:20 बजे घर पर फांसी लगा ली थी। प्राथमिकी के मुताबिक, एम्स के चिकित्सकों ने पुलिस को बताया कि उसे अस्पताल मृत अवस्था में लाया गया था, जिसके बाद एक 'मेडिको-लीगल केस' (एमएलसी) दर्ज किया गया। शुरुआती पुलिस जांच और एम्स भोपाल द्वारा किए गए पहले पोस्टमॉर्टम में रही कमियों के बारे में परिवार के आरोपों और अहम संदेहों को दूर करने के लिए मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर हुए दूसरे पोस्टमॉर्टम के बाद, सीबीआई ने जांच की जिम्मेदारी संभाली तथा समर्थ और गिरिबाला को गिरफ्तार कर लिया। दूसरा पोस्टमॉर्टम 24 मई को भोपाल में एम्स दिल्ली की चार सदस्यीय टीम ने किया था। पोस्टमॉर्टम और बाद में एम्स दिल्ली के मेडिकल विशेषज्ञों के बोर्ड ने इस राय पर सहमति जताई है कि यह आत्महत्या का मामला है।

आरोपपत्र के अनुसार, ''मौत का कारण दम घुटना है, जो फंदे से लटकने की वजह से हुआ। यह फांसी खुदकुशी के इरादे से लगाई गई थी और इसके लिए रिंग वाली जिम्नास्टिक बेल्ट का इस्तेमाल किया गया था। मृतका के शरीर पर चोट का ऐसा कोई निशान नहीं मिला, जो मौत से पहले मारपीट या हाथापाई का संकेत देती हो।'' मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर गठित पांच सदस्यीय मेडिकल बोर्ड ने 10 जुलाई को सीबीआई को अपनी 11 पन्नों की मेडिकल राय सौंपी थी। इस राय में साफ तौर पर कहा गया कि त्विषा ने आत्महत्या की थी और उसके शरीर पर चोट का ऐसा कोई निशान नहीं मिला, जो कानूनी नजरिए से अहम हो या जिससे हाथापाई या संघर्ष का संकेत मिलता हो।

सीबीआई ने रिश्वत मामले में डीजीएमएस अधिकारी समेत तीन को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वत के एक मामले में हैदराबाद से खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के एक उप निदेशक और दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह गिरफ्तारी एक खनन दुर्घटना मामले में कंपनी के अनुकूल जांच रिपोर्ट तैयार करने के लिए कथित तौर पर दो लाख रुपये की रिश्वत लेने के सिलसिले में की गई है। जांच एजेंसी ने सोमवार को हैदराबाद-तीन क्षेत्र में तैनात डीजीएमएस के उप निदेशक (खनन) यू शिव शंकर, वासावी ग्रेनाइट्स के प्रतिनिधि सिद्दा वेंकट सुरेश कुमार और लोटस एनवायरो माइनिंग सर्विसेज (एलईएमएस) के कथित बिचौलिए ए सुभास्कर रेड्डी को गिरफ्तार किया।

सीबीआई के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, सूचना मिली थी कि आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में पत्थरों की एक खदान में 25 जून 2026 को एक जानलेवा हादसा हुआ था। संबंधित खनन संस्थान के प्रतिनिधियों ने एक सलाहकार/बिचौलिए के माध्यम से आरोपी उप निदेशक से संपर्क किया, ताकि हादसे के संबंध में खदान मालिकों पर जांच की आंच आए बिना एक अनुकूल जांच रिपोर्ट प्राप्त की जा सके। बयान के अनुसार, बिचौलिए ने कथित तौर पर अनुकूल रिपोर्ट के लिए आरोपी अधिकारी को अनुचित लाभ के रूप में पहले ही एक लाख रुपये का भुगतान कर दिया था।

सीबीआई ने बताया, इसके बाद, उप निदेशक (खनन) को भुगतान करने के लिए दो लाख रुपये की राशि की व्यवस्था की गई थी, जिसे निजी खनन प्रतिष्ठान और अन्य खदानों से संबंधित अनुकूल रिपोर्ट प्राप्त करने और कथित तिमाही रिश्वत भुगतान के तौर पर 17 अगस्त 2026 को ओंगोल में सौंपा जाना था।

बयान के मुताबिक, सीबीआई ने उस जगह पर छापा मारा जहां रिश्वत का लेनदेन हो रहा था और खनन कंपनी के प्रतिनिधि की मौजूदगी में बिचौलिए से रिश्वत लेते समय अधिकारी को 'रंगे हाथों' गिरफ्तार कर लिया। जांच टीम ने कार्रवाई के दौरान रिश्वत के दो लाख रुपये बरामद कर लिए हैं।

वही वंदे मातरम् गाया, जिसे महात्मा गांधी, पटेल, वाजपेयी ने गाया था : कांग्रेस अध्यक्ष खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' ''अधूरा'' गाने का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्होंने वही अंतरा गाया, जो महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जैसे राष्ट्रीय नेताओं ने गाया था।

दक्षिण गोवा में पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा कि उन्होंने जो अंतरा गाया यदि वैसा करना अपराध है, तो उन नेताओं के खिलाफ भी मामले दर्ज होने चाहिए, जिन्होंने इतना ही गाया था।

सत्तारूढ़ भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने सोमवार को दक्षिण गोवा में अपनी जनसभा के दौरान राष्ट्र गीत ''अधूरा'' गाया, और विपक्षी पार्टी पर राष्ट्र गीत का अपमान करने का आरोप लगाया। इस विवाद पर बात करते हुए खरगे ने कहा, मैंने वही 'वंदे मातरम' गाया, जिसे महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू ने गाया था... वही गीत जिसे वल्लभभाई पटेल और अटल बिहारी वाजपेयी ने भी गाया था। अगर यह अपराध है, तो गांधीजी, नेहरू और वल्लभभाई पटेल के खिलाफ भी मामले दर्ज कीजिए।'' खरगे ने कहा कि भाजपा को राष्ट्र गीत और राष्ट्र गान को लेकर कांग्रेस द्वारा लिए गए ऐतिहासिक फैसलों की जानकारी नहीं है।

उन्होंने कहा, ''उन लोगों को नहीं पता कि उनके जन्म से पहले ही कांग्रेस ने राष्ट्र गीत और राष्ट्रगान के बारे में फैसला लेने के लिए प्रस्ताव पारित कर दिया था।'' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उन्होंने उतना ही 'वंदे मातरम' गाया, जो दशकों से गाया जा रहा है। खरगे ने कहा, ''मैंने वही किया, जो पिछले 80 वर्षों से होता आ रहा है।''

मरांडी ने झारखंड सरकार पर भर्ती परीक्षाएं रद्द करके छात्रों को 'धोखा देने' का आरोप लगाया

रांची/भाषा। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि ''झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार भर्ती परीक्षाएं रद्द करने की घोषणा करके आंदोलनरत छात्रों को धोखा दे रही है।'' भाजपा नेता ने कहा कि झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) में अनियमितताओं की खबरें सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों एजेंसियों ने नौकरियां बेचीं और राज्य के छात्रों तथा अभ्यर्थियों के अधिकारों की अनदेखी की। पूर्व मुख्यमंत्री मरांडी ने कहा, हेमंत सोरेन सरकार परीक्षा रद्द करने की घोषणा करके छात्रों को धोखा दे रही है। जब सरकार को पता है कि आंदोलनकारी सीबीआई जांच चाहते हैं, तो वह पीछे क्यों हट रही है? इससे स्पष्ट है कि सरकार में बैठे लोग भी नौकरियां बेचने में शामिल हैं।''

उन्होंने दावा किया, ''भाजपा का शुरू से ही यह स्पष्ट रुख रहा है कि सीबीआई को पूरे मामले की जांच करनी चाहिए, क्योंकि धीरे-धीरे ऐसे सबूत सामने आ रहे हैं कि दोनों एजेंसियों ने नौकरियां बेची थीं। जिस सीआईडी ने पहले गड़बड़ियों के मामलों की जांच की थी, उसने कोई कार्रवाई नहीं की थी।'' राज्य की झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) सरकार ने जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा और 2014 से आउटसोर्स एजेंसी टीडीपीएल द्वारा आयोजित सभी भर्ती परीक्षाएं रद्द करने की सोमवार को घोषणा की थी। मरांडी ने कहा, ''सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई है।''

नेहरू-गांधी परिवार में आने से लेकर जीवन की कई स्मृतियों को किताब में साझा करेंगी सोनिया गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/एपी। इस साल कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की यादों पर आधारित एक किताब आ रही है जिसमें वह भारत के नेहरू-गांधी राजनीतिक परिवार का हिस्सा बनने से जुड़ी उम्मीदों और त्रासदियों के साथ-साथ सरकार में अपने कामकाज पर भी बात करेंगी।

किताब के प्रकाशक अल्फ्रेड ए. नॉफ ने मंगलवार को घोषणा की कि सोनिया गांधी की किताब 'बिलांगिंग: ए जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर को जारी की जाएगी। नॉफ के माध्यम से जारी एक बयान में सोनिया गांधी ने कहा, मेरे परिवार के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, लेकिन बहुत कम ही ऐसी बातें सामने आईं जो उनके इरादों, उनके कामों और उनकी मानवीय कमियों की सच्चाई तक पहुंच पाईं। कई मायनों में, यह किताब उनके मानवीय पक्ष को सम्मान देने वाली है। मेरी कहानी पाठकों को उन सामाजिक और राजनीतिक बदलावों का एक अनोखा नजरिया भी देती है, जिन्हें मैंने अपने इस प्यारे देश में छह दशकों तक देखा है। सोनिया (79) मूल रूप से इटली की रहने वाली हैं। वह इंग्लैंड के कैम्ब्रिज में पढ़ाई कर रही थीं, तभी उनकी मुलाकात अपने सहपाठी और होने वाले पति राजीव गांधी से हुई थी। राजीव गांधी भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाती और भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बेटे थे। इस किताब में वह लिखती हैं कि कैसे 1984 में उनकी सास की हत्या के बाद उनका जीवन पूरी तरह बदल गया। इंदिरा के उत्तराधिकारी के तौर पर उनकी जगह राजीव गांधी ने ली, जिनकी सात साल बाद हत्या कर दी गई। बाद में वह (सोनिया) खुद भी राजनीति में आईं और कांग्रेस पार्टी की सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष रहीं। हालांकि सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री बनने के पार्टी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। 2014 में उनकी पार्टी (कांग्रेस) सत्ता से बाहर हो गई और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी।

सोनिया ने अपने बयान में कहा, ''इस हृदय विदारक घटना और व्यक्तिगत नुकसान के अहसास ने ही मुझे राजनीति की सार्वजनिक दुनिया में धकेल दिया। उससे पहले तक मैंने अपनी निजता को बहुत संभालकर रखा था।''

उन्होंने कहा, ''अपने जीवन के बारे में लिखना मेरे लिए आसान नहीं था। इसका मतलब था उन पलों और अनुभवों को साझा करना जिन्हें मैंने हमेशा अपने मन में गहराई से छिपाकर रखा था।''

कर्नाटक वन विभाग द्वारा 'तीन तमिलों' की 'हत्या' का मुद्दा तमिलनाडु विधानसभा में गूंजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कर्नाटक वन विभाग की ओर से गोली चलाए जाने की घटना में तीन तमिल लोगों की ''हत्या'' का मुद्दा मंगलवार को तमिलनाडु विधानसभा में गूंजा। विधानसभा सदस्यों ने इस मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए ''ध्यानाकर्षण'' प्रस्ताव पेश किया। मृतकों की पहचान एंथनी सामी, जॉन रोज पीटर और कुमार के रूप में हुई है। वे कर्नाटक के चामराजनगर जिले के हनूर तालुक के गांवों में रहते थे। आरोप है कि 15 अगस्त को तड़के कावेरी वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में कर्नाटक वन विभाग के कर्मियों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी।

घटना के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कथित तौर पर हुई इस हत्या की कड़ी निंदा की और कहा कि घटना को लेकर कर्नाटक वन विभाग की ओर से दिया गया स्पष्टीकरण स्वीकार्य नहीं है। मुख्यमंत्री ने रविवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा था कि इस घटना की उच्चस्तरीय समिति से निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। यह मुद्दा उठाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और अन्नाद्रमुक नेता ई. के. पलानीस्वामी ने दावा किया कि पीड़ित परिवारों के अनुसार कर्नाटक वन विभाग ने कथित तौर पर तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल है और मैसूर के एक सरकारी अस्पताल में उसका इलाज हो रहा है।

पलानीस्वामी ने कहा कि अधिकारियों का दावा है कि ये लोग हिरणों के अवैध शिकार में शामिल थे, लेकिन परिवारों का आरोप है कि यह एक साजिश है और मृतक निर्दोष नागरिक थे। उन्होंने मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि घटना स्थल दोनों राज्यों की सीमा पर स्थित है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को कर्नाटक सरकार द्वारा दिए गए पांच-पांच लाख रुपये के मुआवजे को अपर्याप्त बताते हुए तमिलनाडु सरकार से परिवारों को अतिरिक्त सहायता देने और कर्नाटक सरकार के साथ बातचीत कर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के मनोज पांडियन ने घटना को ''फर्जी मुठभेड़'' और गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन'' करार दिया। उन्होंने दावा किया कि मृतक किसान निहत्थे थे और केवल अपने मवेशियों की तलाश कर रहे थे। कांग्रेस सदस्य तराहई कथबर्ट ने भी घटना की कड़ी निंदा की और कर्नाटक सरकार द्वारा दिए गए मुआवजे को अपर्याप्त बताया। उन्होंने सीबीआई जांच और पीड़ित परिवारों को सहायता देने की मांग की। घटना की निष्पक्ष जांच का समर्थन करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य भोजराजन ने कहा कि इस हत्या से शक पैदा हुआ है और उस राज्य में रहने वाले तमिलों में असुरक्षा की भावना पैदा हुई है।

इसके जवाब में ऊर्जा, संसाधन एवं कानून मंत्री आर. निर्मल कुमार ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मौत की घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश पहले ही दे दिए हैं और प्रभावित परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये की अंतरिम राहत देने की घोषणा की है। मंत्री ने कहा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने घटना की कड़ी निंदा की है और उच्चस्तरीय समिति से निष्पक्ष जांच की मांग की है। मुख्यमंत्री ने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि कर्नाटक सरकार की ओर से दिया गया स्पष्टीकरण स्वीकार्य नहीं है।''

कुमार ने प्रस्ताव पर जवाब समाप्त करते हुए विपक्षी द्रमुक और उसके नेताओं पर निशाना साधा। इस पर विधानसभा अध्यक्ष जे. सी. डी. प्रभाकर ने तुरंत हस्तक्षेप किया और उन्हें मूल मुद्दे से न भटकने की सलाह दी। बाद में, वन मंत्री आर. वी. रंजीत कुमार ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री विजय ने पीड़ित परिवारों को राहत के तौर पर 10-10 लाख रुपये देने की घोषणा की थी। यह रकम जल्द ही दी जाएगी।

तमिलनाडु में मुख्यमंत्री नाश्ता योजना का नाम बदलना द्रमुक का श्रेय छीनने जैसा : वेलु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में विपक्षी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने स्कूली बच्चों से संबंधित मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' का नाम बदलने को लेकर सत्तारूढ़ टीवीके सरकार पर निशाना साधा है। द्रमुक का आरोप है कि राज्य में सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार योजना का नाम बदलकर इसका श्रेय द्रमुक से छीनने की कोशिश कर रही है। पूर्व मंत्री ई वी वेलु ने पिछली द्रमुक सरकार की इस प्रमुख योजना का नाम बदलकर 'पेरुंथलैवर कामराज नाश्ता योजना' किए जाने पर विधानसभा में राज्य सरकार पर निशाना साधा।

वेलु ने कहा कि पहले से चल रही सरकारी योजना का नाम बदलकर उसे अपने नाम से फिर शुरू करना उस तमिल कहावत के समान है, जिसमें किसी और के संसाधनों का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करने की आलोचना की जाती है।

द्रमुक नेता ने कहा, '2यह आपका विशिष्ट योगदान कैसे हो सकता है? हम कामराज का सम्मान करते हैं और अगर उनके नाम पर कोई योजना शुरू की जाती तो हमें खुशी होती। हमने (पिछली द्रमुक सरकार ने) तिरुचिरापल्ली में कामराज पुस्तकालय और बौद्धिक केंद्र (कामराज अरिवुलगम) स्थापित किया था।'' उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार नई पहल शुरू करने के बजाय पिछली सरकार की योजना का केवल नाम बदल रही है। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ टीवीके ने कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कामराज के सम्मान में 22 जुलाई को ''मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' का नाम बदलकर 'पेरुंथलैवर कामराज नाश्ता योजना' कर दिया था। कामराज ने राज्य में स्कूली बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन योजना शुरू करने की पहल की थी। इसका उद्देश्य बच्चों में कुपोषण दूर करना और स्कूल छोड़ने की दर कम करना था। 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' सितंबर 2022 में द्रमुक के अध्यक्ष एम के स्टालिन ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान शुरू की थी। विधानसभा में वेलु ने कहा कि मूल नाम 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' जानबूझकर तटस्थ और गैर-पक्षपातपूर्ण रखा गया था। उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री' किसी व्यक्ति के बजाय एक संस्थागत पद को दर्शाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सत्ता में चाहे कोई भी राजनीतिक दल हो, योजना का नाम और उसकी निरंतरता बरकरार रहे।

वेलु ने कहा, ''अगर आप कामराज के नाम पर कोई नई योजना लाते तो हमें खुशी होती।'' उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार स्थापित योजनाओं का नाम बदलने के बजाय नई पहलों के माध्यम से इस प्रतिष्ठित नेता का सम्मान करे।

तमिलनाडु में तीसरे बच्चे के जन्म पर महिला सरकारी कर्मियों को 365 दिनों का मिलेगा मातृत्व अवकाश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि उसकी महिला कर्मचारियों को तीसरे बच्चे के जन्म पर भी 365 दिन का मातृत्व अवकाश मिलेगा। अभी, जिन शादीशुदा महिला सरकारी कर्मचारियों के दो से कम जीवित बच्चे हैं, उन्हें 365 दिन का मातृत्व अवकाश मिलता है, जबकि जिनके दो या उससे ज़्यादा जीवित बच्चे हैं, उन्हें 12 हफ़्ते तक मातृत्व अवकाश मिलता है।

अपने विभाग के लिए अनुदान की मांग पर चर्चा के दौरान, मानव संसाधन प्रबंधन मंत्री डी. सरथकुमार ने विधानसभा में कहा, चूंकि तमिलनाडु सरकार सामाजिक कल्याण और महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता देने वाला एक कल्याणकारी प्रशासन है, इसलिए महिला सरकारी कर्मचारियों को तीसरे बच्चे के लिए अभी मिलने वाला मातृत्व अवकाश (प्रसूति अवकाश) को 12 हफ़्ते से बढ़ाकर 365 दिन कर दिया जाएगा। तत्कालीन राज्य सरकारों ने मातृत्व अवकाश (प्रसूति अवकाश) की शुरुआती 90 दिनों की अवधि को 2011 में बढ़ाकर छह महीने, 2016 में नौ महीने और जुलाई 2021 में एक साल (365 दिन) कर दिया था।

एक सरकारी सूत्र ने बताया कि पात्रता के सामान्य नियमों के तहत फिलहाल 365 दिनों के मातृत्व अवकाश का यह लाभ उन नियमित महिला राज्य कर्मचारियों को मिलता है जिनके दो से कम जीवित बच्चे हैं।

द्रमुक ने 'सलाम' को लेकर मुख्यमंत्री विजय और त्रिशा का उड़ाया मजाक

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के तमिल 'मुखपत्र मुरासोली' ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और अभिनेत्री त्रिशा का यह आरोप लगाते हुए मजाक उड़ाया कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री ने उन्हें सलाम किया और दोनों ने एक-दूसरे को सलाम किया। दैनिक ने अपने संपादकीय में दावा किया कि स्वतंत्रता दिवस के दिन राष्ट्रीय ध्वज फहराने वाले मुख्यमंत्री विजय के पद की गरिमा कम हुई। 'मुरासोली' में अभिनेत्री का नाम लिए बिना यह बताया गया कि मुख्यमंत्री के पद की गरिमा क्यों कम हुई। मुखपत्र में दावा किया गया कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि दोनों ने बिना किसी संकोच या शर्मिंदगी के एक-दूसरे को सलाम किया। अभिनेत्री को पहली पंक्ति में बैठाया गया था और दोनों को एक-दूसरे को सलाम करते देखना उन लोगों के लिए भी असहनीय था, जिन्होंने मुख्यमंत्री विजय को वोट दिया था। इसमें आरोप लगाया कि आज तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने व्यक्ति को लगता है कि वह इस तरह खुलेआम बेशर्म और घृणित हरकतें करके उन्हें सही ठहरा सकते हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह में त्रिशा को दर्शक दीर्घा की पहली पंक्ति में बैठाया गया था।

निरीक्षण दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय ने 17 अगस्त को पुलिस महानिदेशक महेश कुमार अग्रवाल के साथ सचिवालय में पालमैया थिरुमंगई अजवार की कांस्य प्रतिमा का निरीक्षण किया। यह प्रतिमा कुंभकोणम, तंजावुर जिले में स्थित अरुलमिगु सौंदराजा पेरुमल मंदिर से चोरी हो गई थी और इंग्लैंड से तमिलनाडु लाई गई है।

केंद्र को मौजूदा लोकसभा सीट पर ही महिलाओं को आरक्षण देना चाहिए : द्रमुक नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता टीकेएस एलंगोवन ने लोकसभा में सीट संख्या बढ़ाकर महिला आरक्षण लागू करने में हो रही देरी को महिलाओं का अपमान बताते हुए कहा कि केंद्र को सदन में मौजूदा सीट संख्या के आधार पर ही महिला आरक्षण लागू करना चाहिए। एलंगोवन ने रविवार को 'पीटीआई-वीडियो' से बातचीत में महिला आरक्षण के मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर लोगों को धोखा देने का आरोप भी लगाया। द्रमुक नेता ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने पेश किया था और उस समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसका विरोध किया था।

रविवार को 'पीटीआई-भाषा' की प्रसारित खबर में टीकेएस एलंगोवन का नाम त्रुटिवश ईवीकेएस एलंगोवन लिखा गया था। एलंगोवन ने तमिलनाडु में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नेतृत्व वाली सरकार के पहले 100 दिनों के कार्यकाल के प्रदर्शन की भी आलोचना की। उन्होंने लोकसभा सीट संख्या बढ़ाने के साथ 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को जोड़ने के केंद्र के तर्क की आलोचना की। एलंगोवन ने कहा, उन्हें (केंद्र सरकार को) मौजूदा सीट पर ही महिला आरक्षण लागू करना चाहिए। उन्होंने सीट संख्या बढ़ाने में हो रही देरी को महिलाओं का अपमान बताया। द्रमुक नेता ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर निशाना साधते हुए टीवीके सरकार के पहले 100 दिनों के कथित खराब प्रशासनिक प्रदर्शन की आलोचना की और इसे शून्य बताया। एलंगोवन ने आरोप लगाया कि टीवीके सरकार ने केवल मौजूदा योजनाओं के नाम बदलने का काम किया है। एलंगोवन ने कहा, उनकी एकमात्र विचारधारा हर तरह से द्रमुक पर हमला करने की है।

एलंगोवन ने मुख्यमंत्री विजय के सरकार के खिलाफ साजिश को नाकाम करने के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार के पास पूर्ण बहुमत नहीं है और वह उन दलों पर काफी निर्भर है, जिन्होंने द्रमुक के साथ गठबंधन के तहत चुनाव जीता था। उन्होंने आगाह किया कि अगर सरकार अपने वादे पूरे करने में विफल रहती है, तो सहयोगी दल अपना समर्थन वापस ले सकते हैं।

टीवीके विधायक नवजात बच्चे को लेकर विधानसभा पहुंचीं, 'दिखावे' के आरोपों का दिया जवाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में टीवीके की विधायक आर पल्लवी अपने नवजात बच्चे को लेकर सत्र के दौरान विधानसभा पहुंचने के लिए चर्चा में हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यहां बताया कि वह अपने बच्चे को तमिलनाडु विधानसभा परिसर में साथ लेकर आती हैं और कार्यवाही में हिस्सा लेने के लिए मुख्य सभागार में जाने के दौरान नवजात को एक देखभालकर्ता की देखरेख में छोड़ देती हैं। सूत्रों ने बताया कि विधायक के लौटने तक देखभालकर्ता विधानसभा सभागार के पास एक कमरे में बच्चे की देखभाल करता है।

हाल ही में पल्लवी अपने बच्चे को विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के पास भी लेकर गई थीं, जो टीवीके के संस्थापक भी हैं। उन्होंने बच्चे को आशीर्वाद दिया था। सोशल मीडिया पर पल्लवी पर दिखावे का आरोप लग रहा है, जिनपर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह आरोप अनुचित है और वह अपने बच्चे को घर पर नहीं छोड़ सकतीं। उन्होंने एक यूट्यूब चैनल से कहा, ''दिखावा करने की बात ही क्या है? मैं नवजात बच्चे को घर पर कैसे छोड़ सकती हूं? कृपया सोच समझकर टिप्पणी करें। अगर आप दूसरों का दर्द नहीं समझते तो भी ठीक है, लेकिन ट्रोल न करें।'' अप्रैल 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में पल्लवी चेन्नई के तिरु-वी-का नगर विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुई थीं। विधानसभा का मौजूदा सत्र आठ सितंबर तक चलेगा।

तमिलनाडु सरकार लोगों, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली परियोजनाओं को मंजूरी नहीं देगी: मंत्री राजीव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री वीके राजीव ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार ऐसी किसी भी परियोजना को मंजूरी नहीं देगी, जिसका लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े या जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए। राजीव ने तमिलनाडु में प्रस्तावित हाइड्रोकार्बन परियोजना को लेकर सदस्यों की चिंताओं को दूर करते हुए कहा कि राज्य में मछुआरों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली या पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी परियोजना को अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रस्तावित हाइड्रोकार्बन परियोजना को लेकर विधानसभा में लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए मंत्री ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में हाइड्रोकार्बन कुओं की खुदाई की अनुमति द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की पिछली सरकारों में दी गई थी। उन्होंने कहा कि द्रमुक सरकार में तीन, जबकि अन्नाद्रमुक सरकार में एक हाइड्रोकार्बर कुएं की खुदाई की अनुमति दी गई थी।

राजीव ने बताया कि 'हिंदुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन कंपनी लिमिटेड' ने मौजूदा समुद्री क्षेत्र में चार अतिरिक्त कुएं खोदने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को केंद्र सरकार से विचारणीय शर्तें' मिल चुकी हैं और साल की शुरुआत में आवेदन जमा किए जाने के बाद फिलहाल यह तमिलनाडु तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण के विचाराधीन है। इससे पहले, सदस्यों ने परंगिपेट्टई के पास समुद्र में चार नये हाइड्रोकार्बन कुएं खोदने के 'हिंदुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन कंपनी लिमिटेड' के प्रस्ताव पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि इस कदम से चिदंबरम विधानसभा क्षेत्र के पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। सदस्यों के मुताबिक, ड्रिलिंग से समुद्री जीव-जंतुओं के अस्तित्व और स्थानीय मछुआरों की आजीविका के समक्ष गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि खारे पानी के कृषि भूमि में प्रवेश करने के जोखिम के कारण खेती की जमीन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

ललिता ज्वेलरी मार्ट के आईपीओ को दूसरे दिन 3.07 गुना अभिदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आभूषण खुदरा कारोबार से जुड़ी कंपनी ललिता ज्वेलरी मार्ट लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के दूसरे दिन मंगलवार को 3.07 गुना अभिदान मिला। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, आईपीओ के तहत पेश 6,27,61,403 शेयरों के मुकाबले 19,25,66,944 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए आरक्षित खंड को 6.46 गुना अभिदान मिला। खुदरा निवेशकों की श्रेणी को 2.78 गुना और पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के हिस्से को 1.02 गुना अभिदान मिला।

कंपनी ने शुक्रवार को एंकर निवेशकों से 508 करोड़ रुपये जुटाए थे। इनमें गोल्डमैन सैक्स, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और बंधन म्यूचुअल फंड शामिल हैं। ललिता ज्वेलरी मार्ट का आईपीओ 19 अगस्त को बंद होगा। इसके लिए मूल्य दायरा 190-201 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

आईपीओ में 1,200 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों का निर्गम और 500 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। नए शेयरों से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से नए स्टोर खोलने में किया जाएगा। ललिता ज्वेलरी मार्ट ने 1985 में चेन्नई के टी नगर में अपना पहला स्टोर खोला था। कंपनी सोने, चांदी और हीरे के आभूषणों की बिक्री करती है।

एआर रहमान और सोनी विज़ा ने 'तमिल आइडल' की घोषणा की

नई दिल्ली/चेन्नई। संगीतकार ए. आर. रहमान ने सोनी विज़ा के साथ मिलकर 'तमिल आइडल' नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है, जो तमिलनाडु के उभरते गायकों को मंच प्रदान करेगा। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रहमान के नेतृत्व में हो रहे इस कार्यक्रम का उद्देश्य तमिलनाडु की अगली असाधारण गायन प्रतिभा को खोजना, उसे पहचान दिलाना और निखारना है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रतिभागी सोनी लिव ऐप पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। मंच ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की, जिसमें एक प्रचार वीडियो भी शामिल था।

पोस्ट के साथ लिखा था, अपनी आवाज़ को भारत के सबसे बड़े गायन मंच तक पहुंचने का मौका दें। हमारे अपने इसै पुयल' ए. आर. रहमान पहली बार तमिल आइडल की तलाश में निकल रहे हैं। तमिल आइडल-जल्द ही सोनी और सोनी लिव पर।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
मुख्य परियोजना प्रबन्धक (जीएसयू), उत्तर-पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिये गये कार्यों के लिए दी गई तिथि को 15:00 बजे तक ई निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्याः SNT-GSU-JU-2026-27-01R. कार्य का नामः** S&T work in C/W Kairla~ Provision of customer facilities at Goods Shed of Kairla Station. **अनुमानित लागतः** Rs. 1,41,82,435.30/-। **Bid Security:** Rs. 2,83,700.00/-। **ई-निविदायें बन्द होने की तिथि व समयः** 09.09.2026 को 15:00 बजे। **ई-निविदायें खोलने की तिथि व समयः** 09.09.2026 को 15.30 बजे। उपरोक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए वैबसाइट का पता **www.ireps.gov.in 1200-MG/26**
हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-टेण्डर निविदा सूचना
दो पैकेट प्रणाली
उप मुख्य विद्युत अभियंता/परियोजना, उ. प. रेलवे, जयपुर द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली ई-निविदा का ऑन लाईन ई-टेण्डर आमंत्रित किया जाता हैं। निविदाकार अपना मूल / परिवर्तित प्रस्ताव ई-निविदा बंद होने की तारीख व समय से पूर्व ऑन लाईन भर दें। **1. ई-टेण्डर नोटिस संख्याः** एनडब्ल्यूआर-इल-प्रो-2x25के वी-25-26-जे पी-पीएसएस-टी-07। **2. कार्य का नाम व लोकेशनः** उत्तर पश्चिम रेलवे पर विद्युत परियोजना इकाई द्वारा निष्पादित किए जा रहे 2x25 केवी कर्षण उन्नयन कार्यों के संबंध में विभिन्न निर्माण स्थलों/खंडों पर विद्युत ताप विद्युत (ओएचई) उन्नयन/संशोधन संबंधी और अन्य सहायक कार्यों के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएं प्रदान करने हेतु परियोजना पर्यवेक्षण सेवा एजेंसी (पीएसएसए) की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी) आमंत्रित किया जाता है। यह परियोजना 24 माह की निर्माण अवधि के लिए है। **3. अनुमानित लागतः** रूपये 32,92,63,669.38/-। **4. धरोहर राशिः** रूपये 17,96,300/-। **5. कार्य पूरा होने की अवधिः** चौबीस माह। **6. ई-टेण्डर भरने की अंतिम तिथि और समयः** 31/08/2026 (13:00 hrs.). 10.09.2026 (13:00 Hrs.) तक बढ़ाया गया। **7. वेबसाईट का विवरणः** **www.ireps.gov.in नोटः** कोई भी मैन्युवल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा।
1202-MG/26
हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करें

आमजन को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएं हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गांव-ढाणी से लेकर शहरों का समग्र विकास करते हुए आमजन को बुनियादी सुविधाएं को उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने जिला कलक्टरों को निर्देश दिए कि वे सफाई, पेयजल, सड़क, रोशनी, कचरा संग्रहण सहित आमजन से जुड़ी सुविधाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें। इनसे संबंधित किसी भी प्रकार की परिवेदना का प्राथमिकता से निस्तारण करें तथा कोताही बरतने पर कार्मिक और ठेकेदार पर कार्यवाही करें। अंतर विभागीय समाधान वाली शिकायतों में जिला कलेक्टर प्रभावी विभागीय समन्वय भी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने इन सुविधाओं के सुचारू संचालन के लिए अतिरिक्त मानव संसाधन नियोजित करने के लिए भी विशेष रूप से निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज उन्नति की आठवीं बैठक में लगभग 60 हजार करोड़ रुपये की लागत की परियोजनाओं एवं विभिन्न योजनाओं के तहत प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून का सीजन होने के कारण जल भराव, सड़कों का टूटना, बिजली आपूर्ति बाधित होना, दुर्घटनाएं होना आदि समस्याएं लगातार सामने आती हैं। जिला प्रशासन इन समस्याओं का पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ समाधान करे।

उन्होंने जिला कलक्टर्स से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने सड़कों की मरम्मत एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए प्रत्येक नगर निगम को 10 करोड़ रुपये, नगर परिषद को 3 करोड़ रुपये और नगरपालिका को 1 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध करवाई है। जिला कलक्टर समिति गठित कर आवश्यक सड़क मरम्मत और अन्य कार्य तत्काल करवाएं। साथ ही, आवश्यकतानुसार नालियों, पुलियाओं, सड़क किनारों एवं अन्य संबंधित आधारभूत सुविधाओं की मरम्मत भी करवाएं। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता की नियमित जांच करने और मौके पर कार्य की वास्तविक स्थिति की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रमुख मार्गों, चौराहों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था करने तथा खराब स्ट्रीट लाइट को तत्काल ठीक करवाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी-जी राम-जी की प्रगति की जिला कलेक्टर स्वयं समीक्षा करें।

मुख्यमंत्री ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि इसके अंतर्गत करीब तीन लाख प्लांट लगाए जा चुके हैं। शेष प्लांट भी मार्च 2027 तक लगाया जाना सुनिश्चित किया जाए। इससे प्रदेश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ते हुए देश में सिरमौर बनेगा।

उन्होंने मुख्य सचिव को योजनांतर्गत बैंक ऋण सुविधा को अधिक सुचारू बनाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने रींगस-सीकर रेल मार्ग के दोहरीकरण कार्य के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रदेश में प्रगतिरत 60 स्टेशनों के कार्यों की भी समीक्षा की।

नाबालिग बेटी से दुष्कर्म का झूठा मामला दर्ज कराने वाली मां पर 5000 रुपये का जुर्माना

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले की एक विशेष अदालत ने नाबालिग बेटी से दुष्कर्म का झूठा मामला दर्ज कराने वाली एक महिला पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अदालत ने पाया कि इस मामले में शिकायतकर्ता ने भूमि विवाद के कारण पड़ोसी को बदनाम करने और उस पर दबाव बनाने के उद्देश्य से झूठी शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस के मुताबिक, महिला ने 26 सितंबर 2024 को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी सात वर्षीय बेटी खेत में रखवाली कर रही थी और इसी दौरान पड़ोसी उसे अपने खेत में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की लेकिन जांच के दौरान नाबालिग ने अपने बयानों में कथित घटना से इनकार कर दिया। पुलिस ने बताया कि दोनों परिवारों के बीच जमीन और पशुओं के चराने को लेकर विवाद था। पुलिस के मुताबिक, मामले की जांच में दुष्कर्म के आरोप असत्य पाए जाने पर पुलिस ने अंतिम रिपोर्ट अदालत में पेश की और रिपोर्ट को आठ जुलाई 2025 को स्वीकार कर लिया गया। अदालत ने सुनवाई के दौरान पाया कि शिकायतकर्ता ने निजी विवाद के कारण अपनी नाबालिग बेटी को माध्यम बनाकर पड़ोसी के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराया था।

सर्वदलीय बैठक में सकारात्मक रुख के साथ सदन शांतिपूर्वक चलाने पर सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के आगामी सत्र से पहले मंगलवार को हुई सर्वदलीय बैठक में सदन को सकारात्मक रुख के साथ एवं शांतिपूर्वक चलाने को लेकर सहमति बनी। विधानसभा में यह बैठक अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में हुई। विधानसभा के प्रवक्ता के अनुसार, इस बैठक में सभी दलों ने सकारात्मक रुख के साथ सदन शांतिपूर्वक चलाने, आसन की गरिमा बनाये रखने और असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल न किये जाने को लेकर सहमति व्यक्त की। पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों ने अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि सदस्य सदन में मर्यादापूर्ण व्यवहार से अपनी बात रखेंगे एवं जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा करेंगे।

देवनानी ने भी आश्वस्त किया कि चर्चा में हिस्सा लेने के लिए सभी को पर्याप्त समय दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रतिपक्ष सदन में नियमों के अनुरूप जनहित के मुद्दे उठाये और राज्य सरकार उनका समाधान करने का पूरा प्रयास करे। राजस्थान विधानसभा के छठे सत्र की बैठकें बृहस्पतिवार (20 अगस्त) से शुरू होंगी। बैठक में देवनानी ने कहा कि सदन में सार्थक चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''सदन और आसन की गरिमा सभी सदस्य बनाये रखें। सभी दलों के सदस्य सकारात्मक सोच के साथ सदन में भागीदारी निभायें। सदन चलाना सदस्यों की सामूहिक जिम्मेदारी होती है।''

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि विपक्ष की ओर से सदन में रखी गयी बातों को सरकार गंभीरता से ले, क्योंकि सदन चलाने की जिम्मेदारी सत्तापक्ष एवं विपक्ष, दोनों की है। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विधानसभा में सर्वदलीय बैठक आहूत किया जाना अध्यक्ष की महत्वपूर्ण पहल है। बैठक में सत्ता पक्ष के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान, भारत आदिवासी पार्टी के थावरचन्द, बहुजन समाज पार्टी के मनोज कुमार, राष्ट्रीय लोकदल के डॉ. सुभाष गर्ग और विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा मौजूद थे।

जयपुर से डिग्गी कल्याणजी के लिए लक्खी पदयात्रा शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के ऐतिहासिक तारकेश्वर महादेव मंदिर से मंगलवार सुबह वार्षिक डिग्गी कल्याणजी लक्खी पदयात्रा शुरू हुई। चौड़ा रास्ता स्थित मंदिर में साधु-संतों और श्रद्धालुओं की मौजूदगी में मुख्य भगवा ध्वज की पूजा-अर्चना के बाद सुबह करीब नौ बजे यात्रा को रवाना किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महिलाओं की भी अच्छी भागीदारी रही। भक्ति गीतों और हिंदू देवी-देवताओं की झांकियों के बीच श्रद्धालु डिग्गी की ओर रवाना हुए। अधिकांश श्रद्धालु पैदल यात्रा कर रहे हैं, जबकि कुछ श्रद्धालु मार्ग में दंडवत प्रणाम करते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

टोंक जिले के डिग्गी तक करीब 75 किलोमीटर की यह पदयात्रा पांच दिन में पूरी होगी। चौड़ा रास्ता से टोंक रोड और सांगानेर तक कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे और स्वागत शिविर लगाए गए हैं। इन शिविरों में भोजन, पेयजल और विश्राम की व्यवस्था की गई है। आयोजकों के अनुसार, यात्रा के दौरान श्रद्धालु विभिन्न स्थानों पर पड़ाव डालेंगे और 22 अगस्त को डिग्गी कल्याण मंदिर पहुंचेंगे। उसी दिन शाम पांच बजे मंदिर में शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद मंदिर में भगवान कल्याणजी का गंगोत्री से लाए गए गंगाजल से अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद रातभर भक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए जयपुर यातायात पुलिस ने टोंक रोड और जेएलएन मार्ग सहित कई स्थानों पर यातायात में बदलाव और मार्ग परिवर्तन किए हैं। पदयात्रा न्यू गेट, रामनिवास गार्डन, मोती डूंगरी गणेश मंदिर, रामबाग सर्किल, लक्ष्मी मंदिर तिराहा, टोंक फाटक, दुर्गापुरा और सांगानेर से होकर डिग्गी की ओर रवाना हुई।

चित्तौड़गढ़ में दोहरा हत्याकांड

पति ने पत्नी को गोली मारी; बेटे ने पिता को पीट-पीटकर मार डाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में पारिवारिक विवाद के चलते एक व्यक्ति ने अपनी पहली पत्नी की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसके बेटे ने उसे लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। घटना सोमवार रात गंगरार थाना क्षेत्र के सुवानिया गांव में हुई। पुलिस उपाधीक्षक उदय सिंह ने बताया कि तीन शादियां करने वाला भगवाना कालबेलिया (55) सुवानिया गांव में तारा नाम की महिला के साथ रह रहा था।

सिंह के अनुसार, भगवाना एक खेत में कुछ परिचितों के साथ बैठा था। इसी दौरान उसकी पहली पत्नी भोमली (50) और उसका बेटा अनिल वहां पहुंचा तथा भगवाना से अपने पैतृक गांव लौटने के लिए कहा। इस बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया। इसी दौरान भगवाना ने कथित तौर पर अपने पास मौजूद बंदूक से गोली चला दी जिससे भोमली की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि मां की हत्या से गुस्साए अनिल ने कथित तौर पर लाठी से अपने पिता पर हमला कर दिया, जिससे उसकी भी मौत हो गई।

इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंची तारा पर भी हमला किया गया, जिसमें वह घायल हो गई। उसका अस्पताल में किया जा रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और भगवाना तथा भोमली के शवों को अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने अनिल को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

खाद के लिए कतार में धक्के खा रहे हैं किसान : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खाद की कथित किल्लत का मुद्दा उठाते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि कई जिलों में किसान कतार में धक्के खा रहे हैं। गहलोत ने इसको लेकर केंद्र एवं राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता ने एक बयान में कहा, ''भाजपा सरकार के कृषि विभाग की सबसे शर्मनाक तस्वीर सामने आई है। गोदामों में तीन लाख मीट्रिक टन से ज्यादा खाद मौजूद है लेकिन किसान घंटों कतार में खड़े होकर भी खाली हाथ लौट रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि पहले कमजोर मानसून के कारण खरीफ की बुआई लक्ष्य से 14.88 लाख हेक्टेयर पीछे रह गई और अब खाद की कथित किल्लत से बची-खुची फसलें भी नष्ट होने की कगार पर हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''केंद्र और राज्य सरकार स्टॉक पर्याप्त होने का दावा कर रहे हैं, लेकिन भरतपुर सहित कई जिलों में किसान कतार में धक्के खा रहे हैं। यह लापरवाही नहीं, सुनियोजित लूट है। दुकानदार जानबूझकर किल्लत दिखाकर कालाबाजारी कर रहे हैं।'' गहलोत ने कहा, ''लोग आरोप लगा रहे हैं कि 266 रुपये की यूरिया की बोरी किसानों तक 500 रुपये में पहुंचाई जा रही है, जबकि किसानों के हिस्से की खाद उद्योगों को भेजी जा रही है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि कृषि विभाग ने निगरानी के नाम पर अधिकारी, कर्मचारी तैनात किए लेकिन वह सिर्फ दिखावा साबित हुआ। गहलोत ने कहा, ''जो सरकार अपने ही गोदामों में उपलब्ध खाद अन्नदाता तक नहीं पहुंचा सकती, वह आखिर किस मुंह से खुद को किसान हितैषी होने का दावा करती है??

कुछ दिन बारिश की गतिविधियां कमजोर रहने की संभावना

जयपुर। मौसम विभाग ने कहा है कि राजस्थान के अधिकतर हिस्सों में आगामी कुछ दिन बारिश की गतिविधियों में कमी रहेगी, हालांकि 20 अगस्त से कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य के अधिकतर भागों में आगामी 2-3 दिन बारिश के गतिविधियों में कमी रहने की संभावना है। हालांकि पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

राजस्थानी परिधान भारतीय संस्कृति और परंपरा की समृद्ध विविधता का एक महत्वपूर्ण प्रतीक : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में चल रहे 'तीजोत्सव-2026' का मंगलवार को अवलोकन करते हुए केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री और अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने कहा कि राजस्थानी परिधान भारतीय संस्कृति और परंपरा की समृद्ध विविधता का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों, लोक जीवन, रीति-रिवाजों और कला परंपराओं ने यहां की वेशभूषा को विशिष्ट पहचान प्रदान की है। पुरुषों की धोती-कुर्ता, अंगरखा, साफा और पगड़ी तथा महिलाओं की घाघरा-चोली, ओढ़नी और पारंपरिक आभूषण राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाते हैं। प्रमुख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार ने केन्द्रीय मंत्री का तीजोत्सव 2026 में स्वागत करते हुए उन्हें उत्सव में लगे स्टॉल्स का अवलोकन करवाया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने स्टेज पर आकर सभी आंगतुकों को राजस्थानी कला और संस्कृति के बारे में अवगत करवाया। चौधरी तीजोत्सव के भव्य और सफल आयोजन के लिए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी को तीज की शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस अवसर पर प्रमुख आवासीय आयुक्त ने केन्द्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस उत्सव के आयोजन का उद्देश्य राजस्थान की लोक संस्कृति, कला, परंपरा एवं विरासत के संरक्षण और संवर्धन के साथ-साथ देशभर में राजस्थानी संस्कृति की विशिष्ट पहचान को और अधिक सुदृढ़ करना है। बीकानेर हाउस में आयोजित यह उत्सव दिल्लीवासियों एवं राजस्थान के बाहर निवास करने वाले राजस्थानी समाज के लिए राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता से रूबरू होने का विशेष अवसर प्रदान कर रहा है। दस दिवसीय तीजोत्सव में प्रत्येक दिन नई प्रतियोगिताओं के आयोजन की श्रृंखला में राजस्थानी परिधानों के प्रदर्शन के लिए एक रैम्प शो का आयोजन किया गया। जिसमें हर वर्ग के पुरुष, महिला एवं बच्चों ने भाग लिया। विजेता प्रतिभागियों को सम्मान स्वरूप उपहार भी भेंट किए गए।

इस अवसर पर संयुक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती रिंकु मीना ने बताया कि उत्सव में 19 अगस्त को गायन प्रतियोगिता, 20 अगस्त को साफा-पगड़ी बांधने की प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अतिरिक्त उत्सव के दौरान बच्चों एवं आमजन की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए भी विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताएं रखी गई हैं। 21 अगस्त को बच्चों के लिए मैथमेटिकल रेस, 22 अगस्त को लेमन स्पून रेस तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 23 अगस्त को रस्साकशी प्रतियोगिता के साथ प्रसिद्ध लोक कलाकार कुटले खां द्वारा विशेष लोक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी।

जनभागीदारी राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समाज को नशे की गिरफ्त से मुक्त कराने के उद्देश्य से श्रीगंगानगर के जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन सीमा संकल्प की केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने सराहना की। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान ऑपरेशन सीमा के सह-प्रभारी विक्रम ज्याणी व गंगानगर जिले की नशा मुक्त अभियान की ब्रांड एंबेसडर लक्ष्या ज्याणी को उनके द्वारा जागरूकता के लिए किए गए 860 नाटकों के लिए सम्मानित करते हुए कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है।

उन्होंने कहा कि श्रीगंगानगर जिले में जनसहभागिता से चलाया जा रहा यह अभियान युवाओं को नई दिशा देने और स्वस्थ, सुरक्षित एवं संस्कारित समाज के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने अभियान से जुड़े सभी सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों, प्रशासन, पुलिस, शिक्षकों, चिकित्सकों और जागरूक नागरिकों की प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब समाज स्वयं बदलाव का संकल्प लेता है, तब सकारात्मक परिवर्तन निश्चित रूप से दिखाई देता है।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री ने जिलेवासियों से आह्वान किया कि नशा मुक्त श्रीगंगानगर का सपना तभी साकार होगा, जब प्रत्येक नागरिक इसे अपना व्यक्तिगत दायित्व समझे। यदि हर परिवार, हर विद्यालय, हर गांव और हर मोहल्ला इस अभियान का सहभागी बनेगा, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य मिल सकेगा।

पश्चिम बंगाल में 2027 में 20 करोड़ पेड़ लगाए जाएंगे : मुख्यमंत्री शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार राज्य में पर्यावरण सुरक्षा और वनीकरण को बढ़ावा देने के मकसद से 2027 में 20 करोड़ पौधे लगाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को यह घोषणा की। शुभेंदु ने मोहर कुंज में पौधा लगाकर एक दिन में पूरे राज्य में 50 लाख पेड़ लगाने के अभियान की शुरुआत की।

उन्होंने कहा कि अक्टूबर से सुंदरबन में तीन करोड़ मैंग्रोव के पेड़ लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने 2027 में 20 करोड़ पौधे लगाने की योजना बनाई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अभियान को राज्य के वन विभाग और पंचायत विभाग मिलकर लागू करेंगे। उन्होंने कहा, हमें इसी साल 10 करोड़ पेड़ लगाने हैं और अगले दो साल तक इन पेड़ों की देखभाल भी करनी होगी। शुभेंदु ने कहा कि सिर्फ पौधे लगाकर उनके साथ फोटो खिंचवाने से काम नहीं चलेगा बल्कि इन पौधों की कम से कम दो साल तक देखभाल करनी होगी, ताकि वे अच्छी तरह बढ़ सकें।

उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि इन पौधों की तीन साल तक देखभाल की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में पेड़ लगाने और वनीकरण के कार्यक्रमों के लिए रुपयों की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा, अगर इस 'सिटी ऑफ जॉय' (कोलकाता) को बचाना है, तो बड़ी संख्या में पेड़ लगाने होंगे।

असहमति के अधिकार पर सुनियोजित हमला कर रही है सरकार : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को मोदी सरकार पर भारतीय नागरिकों के सवाल करने और असहमति जताने के लोकतांत्रिक अधिकार पर ''सुनियोजित हमला'' करने का आरोप लगाया तथा कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट हटाने के लिए कथित तौर पर जारी किए गए सरकारी आदेश निंदनीय हैं।

खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि मोदी सरकार ने महज पांच महीने में '1.95 लाख ब्लॉकिंग' आदेश जारी किए, जिनमें से ज्यादातर जवाबदेही की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे ''छात्रों और युवाओं'' के खिलाफ थे।

उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार ने हर भारतीय के बोलने, सवाल करने और असहमति जताने के लोकतांत्रिक अधिकार पर सुनियोजित हमला किया है।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सोशल मीडिया पर सरकार की कथित सेंसरशिप उतनी ही निंदनीय है, जितना युवाओं के खिलाफ लाठीचार्ज और ''पैलेट गन'' का इस्तेमाल। खरगे ने कहा, ''आज कोई भी क्रिएटर, पत्रकार या आम नागरिक यदि इस सरकार की आलोचना में कुछ पोस्ट करता है, तो उसे तत्काल पोस्ट हटाने, एफआईआर की धमकी दी जाती है और समन्वित तरीके से डराया-धमकाया जाता है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि इसके विपरीत सत्तारूढ़ दल के समर्थक महिलाओं की निजी जानकारी सार्वजनिक करते हैं, दुष्कर्म की धमकियां देते हैं और ऑनलाइन संगठित उत्पीड़न अभियान चलाते हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होती।

विदेशों में भेजा गया संदिग्ध पैसा आयकर विभाग की जांच के घेरे में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने कम या बिल्कुल कारोबार नहीं दिखाने वाली इकाइयों, उनके पीछे मौजूद लोगों और कर निर्धारण प्रमाणपत्र जारी करने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट के विदेश भेजी गयी संदिग्ध राशि की जांच के लिए अभियान शुरू किया है।

विभाग ने कहा कि इस अभियान के दायरे में भारत की जमीनी सीमाओं से लगे जिलों में स्थित ऐसी इकाइयों को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने बड़ी मात्रा में पैसा विदेश भेजा है। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि इस अभियान में करीब 394 इकाइयों और 36 पेशेवरों को शामिल किया गया है। इनमें सीमावर्ती राज्यों में स्थित 117 इकाइयां शामिल हैं। विभाग ने 18 अगस्त को संदिग्ध रूप से विदेश भेजी गयी राशि की विस्तृत राष्ट्रव्यापी जांच शुरू की। इसमें मुखौटा कंपनियों, उनके पीछे मौजूद लोगों और फॉर्म 15सीबी प्रमाणपत्र जारी करने वाले पेशेवरों पर गौर किया गया है। संदिग्ध विदेशी धन प्रेषण की जांच आंकड़ों के विश्लेषण और जमीनी स्तर से मिली सूचनाओं के बाद शुरू की गई है। इनसे पता चला कि कम या बिल्कुल कारोबार नहीं दिखाने वाली कुछ इकाइयों ने काफी पैसा विदेश भेजा। विभाग ने चार्टर्ड अकाउंटेंट को फॉर्म 15सीबी/फॉर्म 146 जारी करते समय सावधानी बरतने की चेतावनी दी और

उचित जांच-पड़ताल तथा पेशेवर निर्णय लेने को कहा। आयकर विभाग ने एक बयान में कहा, ''प्रमाणपत्र जारी करने से पहले उन्हें संबंधित लेनदेन और उससे जुड़े तथ्यों की उचित जांच करनी चाहिए, क्योंकि ये प्रमाणपत्र व्यवस्था में विश्वास बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।'' फॉर्म 15सीबी या फॉर्म 146 भारत से विदेश भेजे जाने वाले धन के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा जारी किया जाने वाला कर निर्धारण प्रमाणपत्र है। वित्त वर्ष में पांच लाख रुपये से अधिक के कर योग्य भुगतान किसी प्रवासी या विदेशी कंपनी को किए जाने पर यह जरूरी होता है। यह स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) और दोहरा कराधान बचाव समझौते (डीटीएए) के अनुपालन की पुष्टि करता है। आयकर विभाग ने कहा कि जमीनी स्तर से मिली सूचनाओं और विदेश भेजे गए पैसे के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर उसने ऐसी कई संदिग्ध इकाइयों की पहचान की है, जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा विदेश भेजी। विभाग ने बताया कि फर्जी परमार्थ न्यासों के एक समूह के खिलाफ तलाशी अभियान के दौरान विदेश पैसा भेजने वाली इकाइयों के एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क का पता चला। ये न्यास फर्जी दान और योगदान के बदले बही-खाते में प्रविष्टियां उपलब्ध कराने में शामिल थे। शुरुआती जांच में सामने आया कि धन विदेश भेजने वाली ये इकाइयां या तो आयकर रिटर्न दाखिल नहीं करती थीं या बहुत कम कारोबार दिखाते हुए रिटर्न दाखिल करती थीं। उनका घोषित कारोबार विदेश भेजी गई बड़ी रकम से मेल नहीं खाता था। विभाग ने कहा कि ये माल ढुलाई भुगतान, सॉफ्टवेयर का आयात या परामर्श सेवाओं के आयात जैसे धन प्रेषण के बताए गए उद्देश्यों से भी मेल खाते नहीं दिखे। जांच में यह भी पता चला कि इनमें से कई इकाइयां अपने घोषित पते पर वास्तव में काम नहीं कर रही थीं।

सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने में देरी कर रही : कॉजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने के अपने आश्वासन पर अमल करने में देरी करने का आरोप लगाया। कॉजपा ने मांग की कि पुलिस की बर्बर कार्रवाई और पुलिसकर्मियों के खिलाफ हिंसा के आरोपों की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा घोषित उच्चाधिकार प्राप्त समिति में उसके सदस्यों को भी शामिल किया जाए।

उच्चतम न्यायालय परिसर के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में कॉजपा के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर और उसके आसपास प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने सरकार से तीन बार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी की सूची मांगी। उन्होंने सरकार से उन मामलों की सूची

न्यायालय को सौंपने की मांग की, जिन्हें रद्द किया जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय में मंगलवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई हुई, जिनमें परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर कॉजपा के नेतृत्व में हुए छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बर्बर कार्रवाई करने के आरोप लगाए गए हैं। न्यायालय में आंदोलन के दौरान पुलिसकर्मियों के खिलाफ हिंसा के आरोप वाली याचिकाओं पर भी सुनवाई हुई। दास ने बताया कि याचिकाकर्ता छात्रों ने अपनी वकील वृंदा ग्रोवर के माध्यम से शीर्ष अदालत से अनुच्छेद-142 का इस्तेमाल करते हुए देशभर में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने का आग्रह किया। दास के मुताबिक, ग्रोवर ने न्यायालय से कहा कि केंद्र सरकार को ऐसे कदम पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, क्योंकि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह समेत केंद्र के प्रतिनिधियों ने 25 जुलाई को प्रदर्शनकारियों की मांगों को मान लिया था, जिसके बाद आंदोलन खत्म कर दिया गया था। दास ने कहा, सरकार ने आज उच्चतम न्यायालय के समक्ष यह प्रतिबद्धता नहीं जताई कि वह प्राथमिकी की सूची उपलब्ध कराएगी। उच्चतम न्यायालय ने आज सरकार से तीन बार कहा कि आपको यह सूची देनी चाहिए, तभी हम प्राथमिकी रद्द करेंगे। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने (कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक की घटना के चलते आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिजन को) मुआवजे के संबंध में दिए गए अपने आश्वासन को भी पूरा नहीं किया है और कॉजपा के प्रतिनिधियों के साथ आगे की बैठकें भी नहीं की हैं। कॉजपा प्रवक्ता ने कहा, अगर आपने कोई प्रतिबद्धता जताई है, तो आपको उसका सम्मान करना होगा। आपने मुआवजे और प्राथमिकियों के संबंध में जो भी वादे किए थे, उन्हें आप पूरा नहीं कर रहे हैं। आपने पूरे देश के साथ धोखा किया है।

फेसबुक पर दोस्ती कर 15 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी

गोरखपुर/भाषा। गोरखपुर के खजनी इलाके के एक व्यक्ति से सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर दोस्ती कर 15 लाख रुपये से अधिक की कथित तौर पर ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

खजनी थाना क्षेत्र के खोरिया भीटी गांव के इंद्रलाल जायसवाल द्वारा दर्ज शिकायत के अनुसार उसने फेसबुक पर शार्लेट ओलिविया नामक एक महिला से दोस्ती की थी, जिसने दावा किया था कि वह अमेरिका की रहने वाली है और सीरिया में काम करती है। जायसवाल ने अपनी शिकायत में कहा कि बातचीत के दौरान दोस्ती बढ़ने पर महिला ने उससे भारत आने की इच्छा जाहिर की और बाद में दावा किया कि वह दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंच गयी है लेकिन अधिकारियों ने उसका सामान रोक लिया है और उसे छोड़ने के लिये धन की मांग कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जायसवाल का कहना है कि उसने महिला के दावों पर यकीन कर बैंक के ऐप के जरिये महिला द्वारा दिए गए कई बैंक खातों में 15 लाख 20 हजार 399 रुपये भेज दिये। सूत्रों के अनुसार महिला ने और रकम भेजने को कहा तो जायसवाल को एहसास हुआ कि वह साइबर ठगी का शिकार हो गया है।

कांग्रेस का तंज : ज्ञानेश कुमार को अमेरिका ले जाएं ट्रंप, ईवीएम भी भिजवा देंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय चुनाव प्रणाली की तारीफ किए जाने पर मंगलवार को तंज कसते हुए कहा कि उन्हें ज्ञानेश कुमार को अमेरिका ले जाना चाहिए।

अमेरिका में कड़े चुनावी कानूनों की पैरवी करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय चुनाव प्रणाली की सराहना की और कहा कि भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अमेरिकी चुनावों में मतदाता की पहचान की कमी को लेकर सवाल उठाया है।

ट्रंप ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत में हाल में हुए आम चुनावों में 64.6 करोड़ से अधिक लोगों ने मतदान किया और एक प्रतिशत से भी कम लोगों ने डाक मतपत्र के जरिए मतदान किया।

ट्रंप की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रिय डोनाल्ड ट्रंप, कृपया ज्ञानेश कुमार गुप्ता को अमेरिका ले जाइए। और उन्हें वहीं रखिए। हम अपने ईवीएम भी अगली उपलब्ध उड़ान से भेज देंगे।''

खेड़ा ने कहा, ''आपने हमारा (देश का) जितना अपमान किया और धमकियां दीं, उसके लिए हम आपके लिए इतना तो कर ही सकते हैं। भारत की ओर से 'एसआईआर विद लव'।''

'भ्रष्टाचार-मुक्त भर्ती परीक्षाओं के लिए दूसरे चरण का आंदोलन शुरू करेंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नेता देवेंद्र महतो ने मंगलवार को घोषणा की कि वह जेपीएससी और जेएसएससी के जरिए भ्रष्टाचार-मुक्त भर्ती के लिए जल्द ही आंदोलन का दूसरा चरण शुरू करेंगे। महतो ने कथित अनियमितताओं के कारण झारखंड सरकार द्वारा भर्ती परीक्षाएं रद्द किए जाने के बाद सोमवार रात 16 दिन की अपनी भूख हड़ताल खत्म की। उन्होंने कहा कि ''यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार यह गारंटी नहीं देती कि भविष्य में भर्ती परीक्षाओं में कोई पेपर लीक या गड़बड़ी नहीं होगी।''

महतो ने मीडिया से बातचीत में कहा, ''मैंने भूख हड़ताल खत्म की है, आंदोलन नहीं। यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक सरकार यह गारंटी नहीं देती कि भविष्य में भर्ती परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक या किसी भी तरह की अनियमितता नहीं होगी। हम जल्द ही जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती की मांग को लेकर आंदोलन के दूसरे चरण की शुरुआत करेंगे।'' आंदोलन का दूसरा चरण महतो के नेतृत्व वाले जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी रिफॉर्म मंच के बैनर तले शुरू किया जाएगा। सोलह दिन से भूख हड़ताल पर बैठे महतो ने सोमवार आधी रात के करीब अपना अनशन समाप्त किया। यह फैसला राज्य सरकार द्वारा 2014 से एक आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से आयोजित जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा समेत सभी भर्ती परीक्षाओं को रद्द किए जाने के बाद लिया गया। महतो ने कहा, ''हम सरकार से मांग करते हैं कि सुधारों के लिए एक निगरानी समिति का गठन किया जाए। हमने केवल वित्तीय ऑडिट ही नहीं, बल्कि संपूर्ण ऑडिट की भी मांग की है। भर्ती प्रक्रिया के हर चरण का ऑडिट होना चाहिए।''

छात्रों के साथ खड़े हैं, 'वसूली तंत्र' को बदलकर रहेंगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने झारखंड में छात्रों और सरकार के बीच सहमति बनने तथा प्रदर्शनकारी छात्रों द्वारा भूख हड़ताल समाप्त किए जाने पर मंगलवार को खुशी जताई और कहा कि छात्र जब भी सवाल पूछें, उन्हें जवाब मिलना चाहिए।

गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य सरकार ने बातचीत का रास्ता चुना, जिससे समाधान निकला। उन्होंने छात्रों के संयम की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ''यही सही तरीक़ा है - छात्र सवाल पूछें, तो जवाब मिलना चाहिए।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि ''वह देश के हर छात्र के साथ खड़े हैं और इस वसूली तंत्र को जड़ से बदलकर रहेंगे'', ताकि प्रत्येक छात्र को उसकी मेहनत का पूरा फल और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का अधिकार मिल सके। राहुल गांधी ने कहा कि पूरे देश में व्यवस्था बदली जाएगी और ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी, जो छात्रों को आगे बढ़ने में मदद करे, न कि उन्हें पीछे खींचे। उल्लेखनीय है कि झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों के मंगलवार को आंदोलन समाप्त करने पर फैसला लेने की संभावना है।

इससे पहले, राज्य सरकार ने 2014 से आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से आयोजित सभी भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की, जिनमें झारखंड कर्मचारी चयन आयोग-संयुक्त स्नातक स्तरीय (जेएसएससी-सीजीएल) परीक्षा भी शामिल है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : एसआइटी रिपोर्ट की चर्चा के बीच अयोध्या के संतों से मिले चंपत राय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की अंतिम रिपोर्ट प्राप्त होने और उसे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के साथ साझा किए जाने की पुष्टि के बीच पूर्व महासचिव चंपत राय और पूर्व ट्रस्टी अनिल मिश्रा साधु-संतों के साथ लगातार मुलाकात कर रहे हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि रिपोर्ट ट्रस्ट के साथ साझा की गई है लेकिन उसमें क्या लिखा है, इसकी जानकारी नहीं है। सरकार द्वारा गठित एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट में राय और मिश्रा के नाम शामिल नहीं थे। हालांकि, उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित एसआईटी मामले की अलग से जांच कर रही है और उसे अपनी रिपोर्ट 'सीलबंद लिफाफे' में दाखिल करनी है। सूत्रों के मुताबिक, इस घटनाक्रम के बीच संतों के एक समूह ने खुले

तौर पर चंपत राय का समर्थन करना शुरू कर दिया है। वहीं, पूर्व ट्रस्टी अनिल मिश्रा अयोध्या में अलग-अलग स्थानों पर छोटी-छोटी बैठकें कर अपने और राय पर लगे सभी ''आरोपों को साजिश'' बताकर खारिज कर रहे हैं। मिश्रा ने हाल में सामने आए एक वीडियो में आरोप लगाया कि चंदे का विवाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ एक साजिश थी तथा उन्हें पद से हटाने की कोशिश थी।

स्थानीय संत रामेश्वर दास ने कहा, ''चंपत राय ने अपने पद से इस्तीफा देने के बाद ही संतों से मुलाकात करना शुरू किया था। मंदिर बनने के पांच साल के दौरान राय अयोध्या के साधुओं और महंतों से इस तरह नहीं मिले थे।'' हालांकि, राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य राजकुमार दास ने न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने तक एसआईटी जांच के निष्कर्षों पर टिप्पणी करने से इनकार किया। दास ने कहा, ''अभी तक मुझे जांच रिपोर्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मामले की जांच उच्चतम न्यायालय के निर्देश के तहत हो रही है, इसलिए जब तक जांच के बाद सही रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं हो जाती, तब तक कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा।''

उन्होंने कहा, ''चंपत राय बेगुनाह हैं। संत समुदाय ने 23 जुलाई को एक बैठक में घोषणा की थी कि कथित गड़बड़ियों में राय की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि गिनती की प्रक्रिया में शामिल लोगों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।'' अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र तक पहुंच गई है और ट्रस्ट की आगे की कार्रवाई के बाद सच्चाई सामने आएगी। त्रिपाठी ने 'पीटीआई वीडियो' सेवा को बताया, ट्रस्ट ने एसआईटी गठित करने की संस्तुति की थी और अब जब रिपोर्ट आ गई है, तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

याचिका पर फैसला होने तक नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे ऋतब्रत : कलकत्ता उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने मंगलवार को निर्देश दिया कि तृणमूल कांग्रेस के बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता बने रहेंगे और यह व्यवस्था उस वक्त तक लागू रहेगी, जब तक कि एक एकल पीठ उनकी नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर दो महीने के भीतर कोई फैसला

नहीं सुना देती। न्यायमूर्ति शम्पा सरकार और न्यायमूर्ति अजय कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने यह अंतरिम आदेश पारित किया।

खंडपीठ ने निर्देश दिया कि एकल पीठ, तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी खेमे के विधायक शोभनदेब चट्टोपाध्याय द्वारा विधानसभा अध्यक्ष के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करेगी और दो महीने के भीतर इस मामले पर फैसला करेगी। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने 18 जून को विधानसभा अध्यक्ष रथिंद्र बोस के उस फैसले पर कोई अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया था, जिसमें उन्होंने ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता नियुक्त किया था। चट्टोपाध्याय ने एकल पीठ के निर्णय के खिलाफ खंडपीठ में अपील की।

कांग्रेस की मदद के बिना अखिलेश कभी मुख्यमंत्री नहीं बन सकते : गौतम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे के मामले में सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं करेगी तथा दावा किया कि कांग्रेस की मदद के बिना अखिलेश यादव कभी मुख्यमंत्री नहीं बन सकते। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती से विपक्षी एकजुटता को मजबूत करने तथा 'इंडि' गठबंधन में शामिल होने की अपील करते हुए यह भी कहा कि बसपा अध्यक्ष को समझना चाहिए कि देश और संविधान से बढ़कर कुछ नहीं है। गौतम ने यह भी कहा कि बसपा, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) समेत उन सभी दलों का गठबंधन में स्वागत है जो लोग संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय में विश्वास रखते हैं तथा ''तानाशाही से मुक्ति'' चाहते हैं। प्रदेश में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव संभावित है।

कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत के सवाल पर गौतम ने कहा कि चर्चा अभी शुरू होनी है और उनकी प्राथमिकता है कि 15 सितंबर के आसपास तक सीट बंटवारा तय हो जाए तथा अक्टूबर तक टिकट भी तय कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि 'इंडि' गठबंधन में सभी घटक दलों के बीच मिलकर चुनाव लड़ने को लेकर आम सहमति है और सीट बंटवारे पर ''सम्मानजनक समझौता'' होगा। गौतम का कहना था, ''सीट बंटवारे का अंतिम फैसला शीर्ष नेताओं के स्तर पर बातचीत के बाद होगा, लेकिन मेरा यह भी कहना है कि यह समझौता आपसी विश्वास और सम्मान पर आधारित होगा।'' यह पूछे जाने पर कि क्या उनके कहने का मतलब यह है कि कांग्रेस अपने सम्मान से समझौता करेगी, उन्होंने कहा, ''सवाल ही नहीं उठता।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया, स्वाभाविक है कि कांग्रेस को सम्मान दिए बिना अखिलेश यादव जिंदगी में कभी मुख्यमंत्री नहीं बन सकते, कांग्रेस की मदद के बिना वह कभी मुख्यमंत्री नहीं बन सकते। यह पूछे जाने पर कि क्या इंडिया' गठबंधन की सरकार बनने पर अखिलेश यादव ही मुख्यमंत्री होंगे, गौतम ने कहा, अभी तो हम लोग यही कह रहे हैं कि आपको (अखिलेश) बनाना चाह रहे हैं, अब जल्दी से मेहनत करें, चीजों को फाइनल करें। गौतम ने यह भी बताया कि कांग्रेस छोटे और नए दलों को भी विपक्षी गठबंधन के साथ लाने की कोशिश कर रही है और इस संबंध में उनकी कई दलों से बातचीत चल रही है। गौतम ने कहा, नए दलों से मेरी बातचीत हो रही है। अखिलेश यादव के साथ बैठक में इन पर आगे चर्चा की जाएगी। कई छोटी पार्टियां चुनाव में खुद जीत हासिल नहीं कर सकतीं, लेकिन किसी को हराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

सुविचार

ज्ञान का दीपक जलाइए। हर दिन कुछ नया सीखिए, जिज्ञासा बनाए रखिए, सीखना कभी मत छोड़िए, यही उन्नति का मार्ग है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कितना कमाल दिखाएगी भाजपा की 'नवीन' टीम?

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने राष्ट्रीय उपाध्यक्षों समेत अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति कर आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों की तैयारी की ओर कदम बढ़ा दिया है। इन नियुक्तियों में सामाजिक समीकरणों का भी ध्यान रखा गया है। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाकर भाजपा ने यह संदेश दिया है कि वह अपने वरिष्ठ नेताओं का सम्मान करती है। वसुंधरा राजे पहले भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रही हैं। वे वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद मुख्यमंत्री पद की प्रबल दावेदार थीं, लेकिन पार्टी ने भजनलाल शर्मा को कमान सौंपी थी। इससे वसुंधरा खेमे में नाराजगी देखने को मिली थी। पार्टी ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाकर उनकी प्रासंगिकता को लेकर चल रहीं बहसों पर विराम लगा दिया है। साथ ही, राजपूतों की नाराजगी दूर करने की कोशिश की है, जिन्होंने यूजीसी की विवादित नियमावली के मुद्दे पर कई जगह विरोध प्रदर्शन किया था। राम माधव लेखक, बुद्धिजीवी और अच्छे वक्ता हैं। उन्होंने वर्ष 2014 के विधानसभा चुनावों के बाद जम्मू-कश्मीर में पीडीपी के साथ भाजपा का गठबंधन कराकर राजनीति के धुरंधरों को चौंका दिया था। राम माधव उत्तर-पूर्व में पार्टी की जड़ें मजबूत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। अब वे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के तौर पर भाजपा का विस्तार करेंगे। बैजयंत पांडा अनुभवी राजनेता हैं। वे विभिन्न मंचों पर भाजपा का पक्ष मजबूती से रखते हैं। वे ओडिशा से आते हैं, जहां भाजपा ने पहली बार सरकार बनाई है। बैजयंत पांडा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाने से ओडिशा में पार्टी को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

डॉ. मधुचंदा कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाकर भाजपा ने प. बंगाल में अपने कार्यकर्ताओं का जोश दुगुना कर दिया है। वहां उसकी सरकार बनने के बाद लिए गए कई फैसले राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में हैं। वहीं, डॉ. मधुचंदा कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाने से कार्यकर्ताओं में यह संदेश जाएगा कि पार्टी अपने 'वफादार सिपाहियों' को नहीं भूलती है। डॉ. कर छात्र जीवन में एबीवीपी से जुड़ी थीं। भाजपा की बूथ एजेंट रह चुकी हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने के बावजूद पार्टी की जीत के लिए बहुत मेहनत की थी। पार्टी ने भी बड़ी जिम्मेदारी देकर उन पर भरोसा जताया है। भाजपा में आने के बाद, पिछले एक दशक में डी पुरंदेश्वरी का सियासी कद तेजी से बढ़ा है। वे आंध्र प्रदेश में भाजपा का विस्तार करने वाले प्रमुख चेहरों में से एक हैं। प्रदेशाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी के बाद अब राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी देने से भाजपा को डी पुरंदेश्वरी के अनुभव का लाभ मिलेगा। कर्नाटक के प्रो. एम नागराज का आरएसएस और एबीवीपी से बहुत पुराना जुड़ाव है। वे शिक्षाविद् और संगठन के अनुभवी नेता हैं। उनकी छवि अच्छी है। पार्टी उन पर भरोसा करती है। उन्हें राज्यसभा सदस्य बनाने के बाद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी बना दिया है। उनके सामने कर्नाटक समेत पूरे दक्षिण भारत में भाजपा को मजबूत करने की चुनौती होगी। पार्टी ने उत्तर प्रदेश से दो राष्ट्रीय उपाध्यक्ष – रेखा वर्मा और प्रो. तारिक मंसूर – बनाकर ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय को प्रतिनिधित्व दिया है। लोकसभा को सबसे ज्यादा सांसद देने वाले उप्र में अगले साल विधानसभा चुनाव होना है, लिहाजा यहां से दो राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाना उचित फैसला है। बादल परिवार से अलग होकर अपनी सियासी जमीन तलाशने वाले मनप्रीत सिंह पंजाब के बड़े सिक्ख नेता हैं। वे अपने भाषणों में महान दार्शनिकों की बातों का जिक्र करने के लिए जाने जाते हैं। आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी, क्योंकि भाजपा, शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन करने के बजाय अपने दम पर आगे बढ़ने की बात कह चुकी है। इसी तरह, वर्षाबेन दोशी (गुजरात), डॉ. भारती पवार (महाराष्ट्र) और लाल सिंह आर्य (मध्य प्रदेश) को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाकर उनकी मेहनत, समर्पण और अनुभव का सम्मान किया है। भाजपा की 'नवीन' टीम कितना कमाल दिखाएगी? यह समय ही बताएगा।

ट्वीटर टॉक

मध्य प्रदेश के भिंड में हुए सड़क हादसे में लोगों की मौत की खबर बहुत दिल दहला देने वाली और दिल को झकझोर देने वाली है। भगवान उनके परिवारों को यह बहुत बड़ा दुख सहने की ताकत दे। मुश्किल की इस घड़ी में, मेरी संवेदनाएं दुखी परिवारों के साथ हैं।

-राजनाथ सिंह

मराठा शान के प्रतीक और हिंदवी स्वराज के झंडाबरदार श्रीमंत बाजीराव पेशवा जी की जयंती के मौके पर मैं उन्हें याद करता हूं और अपनी श्रद्धांजलि देता हूं। अपने जीवनकाल में बाजीराव पेशवा जी ने मातृभूमि, धर्म और स्वराज के लिए कई लड़ाइयां लड़ीं।

-अमित शाह

परमवीर चक्र से सम्मानित लेफ्टिनेंट कर्नल ए.बी. तारापोरे की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान फिल्लौरा की भयंकर लड़ाई में, उन्होंने असाधारण लीडरशिप और अदम्य साहस का परिचय दिया।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

भारतीय संस्कृति के प्राणतत्व तुलसीदास

प्रयागराज में ही तुलसीदास में कवित्व शक्ति का प्राकट्य हुआ और वे संस्कृत में पद्य रचना करने लगे, लेकिन एक दिन स्वप्न में भगवान शिवशंकर ने उन्हें जनभाषा में काव्य-रचना करने के लिए कहा। तुलसीदास नींद से जागे तो भवानी-शंकर को सम्मुख देख साष्टांग प्रणाम किया। भगवान शिवशंकर ने स्वप्न की बात दोहरायी और आशीर्वाद दिया कि यह काव्य वेदों के समान फलदायी होगा। गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म प्रयागराज स्थित चित्रकूट जिले के राजापुर गांव के एक प्रतिष्ठित सरयूपारीण ब्राह्मण परिवार में संवत् 1554 की श्रावण शुक्ल सप्तमी के दिन हुआ था। जन्म के तुरंत बाद ही 'राम' नाम का उच्चारण करने के कारण बालक का नाम 'रामबोला' रखा गया। जन्म के समय उनके मुख में बत्तीस दांत थे और वह रुदन करने के बजाय हंस रहे थे। पिता आत्माराम दुबे को चिंतित देख बालक की माता श्रीमती हुलसी देवी ने उसे चुनियां नामक दासी के साथ उसके ससुराल भेज दिया। जन्म के दूसरे ही दिन हुलसी देवी का देहांत हो गया। लेकिन दासी चुनियां को लगता था कि बालक कोई दिव्य आत्मा है।

सामयिक

छात्र आंदोलन की यह सफलता यह भी बताती है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण और संगठित जनदबाव की अपनी शक्ति होती है। जब मांग व्यक्तिगत हित से ऊपर उठकर व्यवस्था में सुधार और न्याय की मांग बन जाती है, तब उसका प्रभाव व्यापक होता है। झारखंड के छात्रों ने अपने संघर्ष से यही संदेश दिया है कि युवा यदि अपने अधिकारों के लिए धैर्य और एकजुटता के साथ खड़े हों तो उनकी आवाज को अनसुना करना आसान नहीं होता। लेकिन अब छात्रों की जीत को स्थायी सुधार में बदलने की जिम्मेदारी सरकार की है। केवल परीक्षाएं रद्द कर देना पर्याप्त नहीं होगा।

झारखंड छात्र आंदोलन : युवाओं के धैर्य और संकल्प की जीत

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

झारखंड में पिछले 24 दिनों से चल रहा छात्र आंदोलन आखिरकार उस मुकाम पर पहुंच गया, जिसकी प्रतीक्षा हजारों अभ्यर्थी लंबे समय से कर रहे थे। राज्य सरकार ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा सहित उस निजी संस्था के माध्यम से आयोजित सभी परीक्षाओं और उनके परिणामों को रद्द करने का निर्णय लिया है, जिस पर परीक्षा संचालन में गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगे थे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई महत्वपूर्ण बैठक के बाद सामने आया यह फैसला केवल एक परीक्षा रद्द किए जाने का निर्णय नहीं है, बल्कि यह उस बेचैनी और अविश्वास की अभिव्यक्ति भी है, जो लंबे समय से प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्था को लेकर युवाओं के मन में जमा हो रहा था। इस पूरे घटनाक्रम की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर लगातार 24 दिनों तक संघर्ष किया। रांची के जयपाल सिंह मुंडा खेल परिसर में धरना, प्रदर्शन और अनशन के माध्यम से अभ्यर्थियों ने सरकार का ध्यान अपनी ओर खींचा। यह आंदोलन केवल परीक्षा रद्द कराने की मांग तक सीमित नहीं था। इसके पीछे वर्षों से चली आ रही भर्ती व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही की मांग भी थी।

युवाओं का तर्क था कि प्रतियोगी परीक्षा उनके लिए केवल प्रश्नों और उत्तरों का खेल नहीं होती। उसके पीछे वर्षों की मेहनत, परिवार का आर्थिक सहयोग, व्यक्तिगत त्याग और भविष्य के सपने जुड़े होते हैं। इसलिए परीक्षा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी सीधे उनके जीवन को प्रभावित करती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाला युवा सामान्यतः अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों को किताबों, कक्षाओं और अभ्यास में लगाता है। वह कई बार आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद तैयारी जारी रखता है। उसके सामने सरकारी नौकरी केवल रोजगार का माध्यम नहीं होती, बल्कि परिवार की सामाजिक और आर्थिक स्थिति बदलने का अवसर भी होती है। ऐसे में यदि परीक्षा की प्रक्रिया पर ही प्रश्नचिह्न लग जाए तो अभ्यर्थी के भीतर केवल निराशा नहीं पैदा होती, बल्कि व्यवस्था के प्रति विश्वास भी कमजोर होता है। झारखंड के छात्रों का आंदोलन इसी टूटते विश्वास की एक मुखर अभिव्यक्ति बन गया। सरकार और छात्रों के बीच बातचीत के कई दौर हुए, लेकिन लंबे समय तक कोई समाधान नहीं निकल सका। आंदोलन बढ़ता गया और छात्रों का दबाव भी लगातार तेज होता गया। अंततः सरकार को कठोर निर्णय लेना पड़ा। मुख्यमंत्री ने परीक्षा रद्द करने के साथ ही व्यापक जांच की घोषणा भी की।

सरकार ने वर्ष 2014 से अब तक हुई भर्ती परीक्षाओं में सामने आई छोटी या बड़ी गड़बड़ियों की जांच कराने की बात कही है। यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे जांच का दायरा किसी एक परीक्षा तक सीमित नहीं रहेगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन मामलों में नियमों का पालन नहीं हुआ या किसी प्रकार की लापरवाही और अनियमितता सामने आएगी, वहां जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में स्वतंत्र जांच समिति बनाए जाने की बात भी सामने आई है। इसके साथ ही राज्य के अपराध अनुसंधान विभाग को भी व्यापक जांच की जिम्मेदारी दी गई है। यह कदम तभी सार्थक होगा जब जांच केवल कागजी प्रक्रिया बनकर न रह जाए, बल्कि दोषियों तक पहुंचे और पूरी प्रक्रिया जनता के सामने पारदर्शी ढंग से रखी जाए। इस आंदोलन की एक उल्लेखनीय विशेषता छात्रों का धैर्य रहा। इतने लंबे समय तक धरना देना और लगातार अपनी मांगों पर टिके रहना आसान नहीं होता। इसके साथ ही अनशन ने आंदोलन को और गंभीर बना दिया। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने 16 दिनों तक भूख हड़ताल की। सरकार के निर्णय के बाद उन्होंने अपना अनशन समाप्त किया और इसे छात्रों की बड़ी जीत बताया।

उनके अनशन का समाप्त होना इस संघर्ष के एक महत्वपूर्ण चरण के पूरा होने का संकेत है। रांची के खेल मैदान में सरकार के फैसले की सूचना पहुंचते ही छात्रों में भारी उत्साह दिखाई दिया। लंबे समय से धरने पर बैठे अभ्यर्थियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी व्यक्त की। यह खुशी केवल परीक्षा रद्द होने की खुशी नहीं थी। यह उस भावना की खुशी थी कि उनकी आवाज आखिरकार सत्ता के गलियारों तक पहुंची और सरकार ने उनकी शिकायत को गंभीरता से स्वीकार किया। लोकतंत्र में किसी सरकार के लिए इससे बड़ा संदेश और क्या हो सकता है कि उसके युवा नागरिक अपनी बात कहने के लिए इतने लंबे समय तक सड़क पर बैठे रहें और अंततः सरकार को उनके प्रश्नों का उत्तर देना पड़े। हालांकि इस निर्णय को छात्रों की बड़ी जीत कहा जा रहा है, लेकिन संघर्ष का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अभी बाकी है। छात्रों की प्रमुख मांगों में केंद्रीय जांच संस्था से जांच कराने की मांग भी शामिल रही है। सरकार ने फिलहाल अपराध अनुसंधान विभाग और अन्य निर्धारित माध्यमों से जांच कराने का निर्णय लिया है। इसलिए आंदोलनकारी छात्रों की ओर से यह कहा जा रहा है कि परीक्षा रद्द होना महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन जांच की विश्वसनीयता और दोषियों पर कठोर कार्रवाई भी उतनी ही जरूरी है।

सबसे बड़ी चुनौती अब उन अभ्यर्थियों की है, जिन्होंने परीक्षा उत्तीर्ण करके आगे की प्रक्रिया पूरी कर ली थी या नियुक्ति की उम्मीद में बैठे थे। परीक्षा रद्द होने के बाद उनके सामने फिर से परीक्षा देने की स्थिति पैदा हो सकती है। यह उनके लिए आसान नहीं होगा। सरकार को इसलिए केवल परीक्षा रद्द करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रभावित अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे निर्दोष अभ्यर्थियों को अनावश्यक नुकसान न उठाना पड़े। जिन युवाओं ने नियमों के अनुसार परीक्षा दी है, उन्हें पूरी प्रक्रिया की खामियों का भार अकेले नहीं उठाना चाहिए। यह घटनाक्रम सरकार के लिए भी एक बड़ा सबक है।

किसी भी भर्ती व्यवस्था की सफलता केवल प्रश्नपत्र तैयार करने और परिणाम घोषित करने में नहीं होती। उसकी वास्तविक सफलता इस बात में होती है कि अंतिम अभ्यर्थी तक यह विश्वास पहुंचे कि उसके साथ न्याय हुआ है। परीक्षा केंद्र से लेकर परिणाम तक हर चरण में पारदर्शिता आवश्यक है। यदि किसी परीक्षा में एक भी गंभीर गड़बड़ी सामने आती है तो उसका प्रभाव हजारों अभ्यर्थियों पर पड़ता है। इसलिए परीक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के साथ साथ मानवीय और प्रशासनिक स्तर पर भी कठोर निगरानी की आवश्यकता है।

सरकार ने भविष्य की परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए व्यवस्था में सुधार की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिकारी अमिताभ कौशल को सौंपने की जानकारी दी है। अभ्यर्थियों की शिकायतों के लिए विशेष माध्यम उपलब्ध कराने और शिकायतों को विशेषज्ञों तक पहुंचाने की बात भी कही गई है। यह पहल तभी प्रभावी होगी जब शिकायत करने वाले अभ्यर्थी को यह विश्वास हो कि उसकी शिकायत सुनी जाएगी और उस पर समयबद्ध कार्रवाई होगी। झारखंड की इस घटना का व्यापक संदेश दूसरे राज्यों के लिए भी है। आज देश के करोड़ों युवा प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से अपने भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं। भर्ती परीक्षाओं में देरी, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता में चूक, परिणामों को लेकर विवाद और चयन प्रक्रिया पर उठते सवाल युवाओं में असंतोष पैदा करते हैं। सरकारों को यह समझना होगा कि रोजगार की प्रतीक्षा कर रहा युवा केवल एक मतदाता नहीं है। वह देश की कार्यशक्ति, ऊर्जा और भविष्य है। उसके विश्वास के साथ खिलवाड़ किसी भी व्यवस्था के लिए गंभीर संकट बन सकता है।

छात्र आंदोलन की यह सफलता यह भी बताती है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण और संगठित जनदबाव की अपनी शक्ति होती है। जब मांग व्यक्तिगत हित से ऊपर उठकर व्यवस्था में सुधार और न्याय की मांग बन जाती है, तब उसका प्रभाव व्यापक होता है। झारखंड के छात्रों ने अपने संघर्ष से यही संदेश दिया है कि युवा यदि अपने अधिकारों के लिए धैर्य और एकजुटता के साथ खड़े हों तो उनकी आवाज को अनसुना करना आसान नहीं होता। लेकिन अब छात्रों की जीत को स्थायी सुधार में बदलने की जिम्मेदारी सरकार की है। केवल परीक्षाएं रद्द कर देना पर्याप्त नहीं होगा। दोषियों की पहचान, निष्पक्ष जांच, समयबद्ध कार्रवाई और भविष्य की परीक्षा व्यवस्था में ऐसे प्रबंध जरूरी हैं जिनसे दोबारा ऐसी स्थिति पैदा न हो। युवाओं को बार बार सड़क पर उतरकर अपने भविष्य की सुरक्षा मांगनी पड़े, इससे बेहतर है कि व्यवस्था इतनी विश्वसनीय बनाई जाए कि किसी आंदोलन की आवश्यकता ही न पड़े। सत्ता बदलती रहती है, सरकारें आती जाती रहती हैं, लेकिन युवाओं के सपने नहीं बदलते। उनके सपनों की रक्षा करना शासन का प्राथमिक कर्तव्य है और यही एक स्वस्थ और कल्याणकारी राज्य की सच्ची पहचान है।

नजरिया

वेनेजुएला के बाद इंडोनेशिया में भूकंप ने दहलाई दुनिया

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

भूकंप भी ऐसा लगता है, अब हमारे जनजीवन का हिस्सा बन चुका है। लैटिन अमेरिकी देश वेनेज़ुएला के बाद अब इंडोनेशिया में आये भूकंप से लोग दहशत में है। एक मीडिया रेपऑर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया के पूर्वी हिस्से में 7.7 तीव्रता के भूकंप के कारण अब तक 54 मौतें हो चुकी हैं। इंडोनेशिया में एक ही दिन में दो बड़े और खतरनाक भूकंप ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। इंडोनेशिया की भूकंपीय सक्रियता को समझने के लिए पैसिफिक रिंग ऑफ फायर को समझना भी जरूरी है। यह प्रशांत महासागर के चारों ओर फैला एक विशाल घोड़े की नाल जैसा क्षेत्र है, जहां कई टेक्टोनिक प्लेटों की सीमाएं मौजूद हैं। दुनिया के बड़े हिस्से के भूकंप और ज्वालामुखीय गतिविधियां इसी व्यापक क्षेत्र से जुड़ी हैं। इसलिए 15 अगस्त के भूकंप केवल एक स्थानीय घटना नहीं हैं, बल्कि वे यह दिखाते हैं कि इंडोनेशिया की धरती के नीचे लगातार भूगर्भीय हलचल जारी है। जब तक टेक्टोनिक प्लेटें एक-दूसरे से टकराती और एक-दूसरे के नीचे धंसती रहेंगी, तब तक इस क्षेत्र में शक्तिशाली भूकंप की संभावना बनी रहेगी। वैज्ञानिक भूकंप को रोक नहीं सकते, लेकिन बेहतर निगरानी, मजबूत इमारतों, समय पर सुनामी चेतावनी और लोगों की तैयारी के जरिए इसके विनाशकारी प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

एक जानकारी के अनुसार दुनिया में हर साल करीब 500,000 भूकंप आते हैं, जिनमें से लगभग 1 लाख भूकंपों को महसूस किया जा सकता है, और उनमें से लगभग 100 भूकंप ऐसे होते हैं, जो नुकसान पहुंचाते हैं। हालांकि, भूकंप की भविष्यवाणी करना फिलहाल संभव नहीं है। वैज्ञानिकों ने यह तो पता कर लिया है कि भूकंप क्यों आते हैं, लेकिन यह बताना मुमकिन नहीं कि कब पृथ्वी की चट्टानें टूटेंगी और कब भूकंप आएगा। रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप पृथ्वी की भूपटल में अचानक होने वाला कंपन या लहर है। जो धरातल के नीचे चट्टानों के लचीलेपन या गुरुत्वाकर्षण की समस्थिति में क्षणिक अव्यवस्था के कारण उत्पन्न होता है। यह पृथ्वी के स्थलमंडल में ऊर्जा के अचानक मुक्त होने के कारण उत्पन्न होने वाली भूकंपीय तरंगों की वजह से होता है। भूकंप बहुत हिंसक हो सकते हैं और कुछ ही क्षणों में लोगों को गिराकर चोट पहुँचाने से लेकर पूरे शहर को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं।

भूकंप का पहला ज्ञात साक्ष्य चीन के शांदोंग प्रांत से 1831 ईसा पूर्व प्राप्त हुआ था। यह भूकंप दुनिया का पहला रिकॉर्डेड भूकंप माना जाता है। इसके बाद भूकंपों के कई खतरनाक और विनाशकारी मामले सामने आए। दुनिया का सबसे शक्तिशाली भूकंप 22 मई 1960 को चिली में आया था, जिसकी तीव्रता 9.5 मेगावाट मापी गई थी। यह भूकंप इतना शक्तिशाली था कि पूरे क्षेत्र में भारी तबाही मच गई थी।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 26 दिसंबर 2004 का दिन दुनिया के इतिहास में सबसे भयावह प्राकृतिक आपदाओं में दर्ज है। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के पास समुद्र के भीतर 9.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसने कुछ ही मिनटों में सुनामी का रूप ले लिया। विशाल समुद्री लहरों ने भारत, श्रीलंका, इंडोनेशिया, थाईलैंड, मालदीव समेत 14 देशों में ऐसी तबाही मचाई कि लाखों लोगों की जिंदगी उजड़ गई। भारत के तमिलनाडु, अंडमान-निकोबार और आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में तबाही का मंजर आज भी दिल दहलाने वाला है।

कैरेबियाई देश हैती में 12 जनवरी 2010 को आया भूकंप आधुनिक इतिहास की सबसे दर्दनाक त्रासदियों में गिना जाता है। इसमें करीब 2 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई। तुर्की और सीरिया में फरवरी 2023 को तुर्की और सीरिया में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया। इस आपदा में करीब 34 हजार लोगों की मौत हुई। अरबों रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई और लाखों लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी। इसी भांति 23 जनवरी 1556 को चीन के शान्शी प्रांत में आया भूकंप आज भी मानव इतिहास का सबसे घातक भूकंप माना जाता है। रिकॉर्ड के अनुसार इस त्रासदी में लगभग 8 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई थी। आज तक किसी भी भूकंप में इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान नहीं गई. चिली के वाल्दीविया क्षेत्र में 22 मई 1960 को आया भूकंप रिक्टर स्केल पर अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप माना जाता है। इसकी तीव्रता 9.5 दर्ज की गई थी. भूकंप इतना शक्तिशाली था कि इसके झटके हजारों किलोमीटर दूर तक महसूस किए गए। इसके बाद आई सुनामी ने चिली के अलावा जापान, फिलीपींस और प्रशांत महासागर के कई देशों में भारी नुकसान पहुंचाया। इस आपदा में लगभग 1,600 लोगों की मौत हुई।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने इमरान खान को निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने का दिया आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को चिकित्सकीय जांच और उपचार के लिए दो दिन के भीतर एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने का मंगलवार को आदेश दिया। यह आदेश खान (73) के स्वास्थ्य को लेकर उनके परिवार और समर्थकों द्वारा कई महीनों से जताई जा रही चिंता तथा उन्हें पर्याप्त चिकित्सा सुविधा नहीं दिए जाने के आरोपों के बीच आया है। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि खान को अगले दो दिन के भीतर इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल स्थानांतरित किया जाए और 16 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई तक वहीं रखा जाए।

अदालत ने खान के स्वास्थ्य का आकलन करने और उनका इलाज करने के लिए एक मेडिकल बोर्ड गठित करने का भी आदेश दिया। उच्चतम न्यायालय ने अस्पताल में रहने के दौरान खान को सप्ताह में एक बार अपने परिवार से मुलाकात की भी अनुमति दी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में हैं। खान के समर्थक उनकी गिरफ्तारी के विरोध में लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके परिजनों और पार्टी के सहयोगियों ने बार-बार मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। उन्होंने अधिकारियों पर खान को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, परिवार से मुलाकात और कानूनी सलाहकारों तक पहुंच से वंचित करने का भी आरोप लगाया है।

अदालत ने इस साल की शुरुआत में खान की आंखों की बीमारी के संबंध में दायर कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश जारी किया। याचिकाकर्ताओं ने खान को निजी अस्पताल में भर्ती कराने का अनुरोध किया था। उनका कहना था कि वे सरकारी अस्पतालों में हो रहे इलाज से संतुष्ट नहीं हैं।

न्यायमूर्ति शाहिद वहीद की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा, मौलिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए हम कैदी के स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह आदेश जारी कर रहे हैं। एक दिन पहले जेल अधिकारियों ने उच्चतम न्यायालय को बताया था कि खान की आंखों की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और उनकी आंखों की रोशनी ''लगभग सामान्य'' है। खान के स्वास्थ्य का आकलन और उनका इलाज करने के लिए मेडिकल बोर्ड के गठन का आदेश देते हुए पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि उनकी चिकित्सकीय जांच और इलाज के दौरान एक वरिष्ठ चिकित्सक तथा खान के निजी डॉक्टर मौजूद रहेंगे। निजी अस्पताल में खान के इलाज का खर्च उनके परिवार द्वारा वहन किया जाएगा।

जनवरी के अंत में उनकी आंख की बीमारी दाहिनी केंद्रीय रेटिनल शिरा अवरोध (सीआरवीओ) का पता चलने के बाद इलाज के लिए उन्हें कई बार इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ले जाया जा चुका है। जेल अधिकारियों ने रिपोर्ट में कहा, ''नतीजतन, उनकी आंख की स्थिति में काफी सुधार देखा गया है और उनकी आंखों की रोशनी लगभग सामान्य हो गई है।'' उच्चतम न्यायालय ने जेल के अधिकारियों को 16 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई में पेश होने का निर्देश दिया और उन्हें खान का पूरा मेडिकल रिकॉर्ड प्रस्तुत करने को कहा। संसदीय कार्य मंत्री तारिक फजल चौधरी ने कहा कि सरकार अदालत के आदेश को अक्षरश: लागू करेगी।

जलभराव

पश्चिम बंगाल के हल्दिया में मंगलवार को जलभराव वाले इलाके से गुजरकर काम के लिए कारखानों की ओर जाते मजदूर।

'फ्रॉम पिंक टू पावर' पैनल में शामिल होंगी तापसी पन्नू

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री तापसी पन्नू एक फिल्म फेस्टिवल में 'फ्रॉम पिंक टू पावर: ब्रेकिंग स्टीरियोटाइप थ्रू सिनेमा' नाम के पैनल का हिस्सा बनने वाली हैं। अभिनेत्री का मानना है कि सिनेमा तब और दिलचस्प बन जाता है जब महिला किरदारों को पेचीदा और बेधड़क दिखाया जाता है। स्पेशल सेशन में शामिल होने पर अभिनेत्री ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मेरे लिए, स्टीरियोटाइप्स को तोड़ना हमेशा एक रिस्क लेने और एक ऐसी महिला का किरदार अदा करने से हुआ है, जो शायद उस वर्जन में फिट न हो जिसकी लोग उम्मीद करते हैं। इस सेशन में बात होगी कि कैसे सिनेमा गहराई से जमी हुई रूढ़ियों पर

सवाल उठा सकता है। कैसे ये पर्दे पर महिलाओं को दिखाने का तरीका बदल सकता है और दर्शकों को घिसी-पिटी कहानियों से आगे सोचने के लिए प्रेरित कर सकता है। अभिनेत्री ने बताया कि फेस्टिवल में वे खुद की जर्नी, करियर बनाने वाले फैसलों और पारंपरिक सोच से अलग हटकर काम करने के रिस्क के बारे में बातें करेंगी। साथ ही वो ये भी बताएंगी कि सिनेमा के जरिए सवाल उठाना, लोगों को सोचने पर मजबूर करना और प्रेरित करना कितनी बड़ी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा, पिंक और थप्पड़ जैसी फिल्में एक बड़ी बहस का हिस्सा बनी थीं क्योंकि उन फिल्मों में मेरे द्वारा निभाए गए किरदारों को एक तय सांचे पर फिट करने के लिए नहीं बनाया गया था। मैं हमेशा से मानती हूं कि सिनेमा तब और ज्यादा दिलचस्प होता है, जब हम महिलाओं को कम कमजोरियों वाली, पेचीदा, महत्वाकांक्षी और बेधड़क अपने जैसी दिखाने की इजाजत देते हैं। इस फिल्म फेस्टिवल में इन फैसलों और इनसे शुरू हुई बातचीत पर चर्चा करने के लिए मैं बहुत ज्यादा उत्सुक हूं।

कनाडा में भारतीय मूल के व्यक्ति पर महिला के यौन उत्पीड़न का आरोप

सरे/भाषा। कनाडा के सरे शहर में एक युवती के यौन उत्पीड़न के कथित मामले में भारतीय मूल के 40 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ दो आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी।

सरे पुलिस सेवा ने बताया कि उसके अधिकारियों को नौ अगस्त को बेयर क्रीक पार्क में एक महिला के यौन उत्पीड़न की सूचना मिली थी। शिकायतकर्ता महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी व्यक्ति ने उसके साथ अश्लील हरकत की और फिर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने सोमवार को एक बयान में कहा कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू की गई और संदिग्ध की तस्वीर जारी करते हुए लोगों से उसके बारे में जानकारी साझा करने की अपील की गई।

रूपा राव ने इंडियन एथलेटिक्स सीरीज में 100 और 200 मीटर दौड़ का स्वर्ण जीता

वारंगल/भाषा। कर्नाटक की पी रूपा राव ने मंगलवार को यहां इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के 13वें चरण में महिला 100 और 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर फर्राटा दौड़ का दोहरा खिताब जीता। रूपा ने 100 मीटर दौड़ में 11.74 सेकेंड के समय के साथ आसानी से जीत दर्ज की।

इसके बाद उन्होंने 200 मीटर में भी 23.93 सेकेंड का समय निकालकर एक और शानदार जीत हासिल की। महाराष्ट्र के अजय खाड़े प्रतियोगिता के सबसे तेज पुरुष एथलीट रहे। उन्होंने 100 मीटर दौड़ 10.44 सेकेंड में पूरी की।

सुनील शेट्टी ने भारत-यूएई के रिश्ते पर जताया गर्व, बोले- 'दुबई हमारे भारत का ही हिस्सा'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता सुनील शेट्टी ने भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मजबूत होते रिश्ते को लेकर खुशी और गर्व जाहिर किया। यूएई में आयोजित एक खास कार्यक्रम में शामिल हुए अभिनेता ने वहां रहने वाले भारतीय समुदाय की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि विदेश में रहकर भी भारतीय अपनी मेहनत और योगदान से देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

उन्होंने भारत और यूएई के बीच बढ़ते सहयोग को भी खास बताया। सुनील शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर इस कार्यक्रम की कई तस्वीरें और झलकियां शेयर की। तस्वीरों में वह कार्यक्रम में मौजूद लोगों के साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में इस शाम को भारत, भारतीय लोगों और यूएई के साथ भारत के खूबसूरत रिश्ते का जश्न बताया।अभिनेता ने लिखा, ''भारत-यूएई के बीच जो खास जुड़ाव है, उसे मनाने वाली यह एक शानदार शाम थी।'' अभिनेता ने यूएई में रहने वाले भारतीय समुदाय की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''मुझे प्रवासी भारतीयों पर बहुत गर्व है। भारत और यूएई मिलकर अलग-अलग क्षेत्रों में जो काम कर रहे हैं, वह भी काबिल-ए-तारीफ है।''

उन्होंने अपनी पोस्ट में संयुक्त अरब अमीरात के विदेश व्यापार मंत्री डॉ. थानी बिन अहमद अल जेयौदी का भी जिक्र किया। यह कार्यक्रम इंडियन पीपल्स फोरम की ओर से आयोजित किया गया था। यह यूएई में रहने वाले भारतीय प्रवासियों का प्रतिनिधित्व करने वाले बड़े सामुदायिक संगठनों में से एक है। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने सामूहिक रूप से यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के प्रति निष्ठा की शपथ ली। सुनील शेट्टी भी इस दौरान लोगों के साथ शामिल हुए।

कार्यक्रम में बोलते हुए सुनील शेट्टी ने यूएई, खासकर दुबई के साथ अपने जुड़ाव को लेकर बात की। उन्होंने दुबई को 'हमारे अपने भारत का ही एक हिस्सा' बताया। अभिनेता ने यूएई और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय की मजबूती की तारीफ की। उन्होंने कहा कि दोनों ने कई मुश्किल हालात और संकटों का सामना करते हुए जिस तरह खुद को संभाला है, वह सराहनीय है।सुनील शेट्टी इससे पहले भी कई मौकों पर भारतीय संस्कृति और विदेशों में रहने वाले भारतीयों को लेकर गर्व जाहिर कर चुके हैं। उनका मानना है कि भारतीय समुदाय जहां भी रहता है, वहां अपनी मेहनत, संस्कृति और अच्छे काम के जरिए अपनी अलग पहचान बनाता है।यूएई में भारतीयों की बड़ी आबादी है और दोनों देशों के बीच लोगों के स्तर पर भी मजबूत जुड़ाव है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सुनील शेट्टी हाल ही में एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आए थे। फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, परेश रावल, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, रवीना टंडन, लारा दत्ता, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, आफताब शिवदासानी और जैकी श्रॉफ जैसे कलाकार भी दिखाई दिए थे।

एफआईआर की खबर में गलत फोटो लगने पर अभिनेत्री अंतरा बनर्जी का फूटा गुस्सा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अंतरा बनर्जी की तस्वीर का इस्तेमाल कथित तौर पर कई मीडिया आउटलेट्स ने एक एफआईआर की रिपोर्टिंग के दौरान किया था। हालांकि, इस एफआईआर में ठाणे की मॉडल अंतरा सोहम बनर्जी शामिल थीं। इस विवाद पर अभिनेत्री अंतरा बनर्जी ने आईएएनएस से खास बातचीत की। अंतरा बनर्जी ने कहा, मैं तब से सदमें में हूं। मुझे कोई आइडिया नहीं था कि यह क्यों हुआ। कल मुझे दिन के समय में पता चला। मेरे परिवार और दोस्तों से मुझे बहुत सारे फोन, बहुत सारे मैसेज आए और वे सब पूछ रहे थे कि 'क्या तुम ठीक हो? क्या तुम ठीक हो?' मुझे कोई आइडिया नहीं था। जब मैंने एक मैसेज खोला, तो उसमें मेरी एक फोटो थी, जिसमें ये सारी बातें लिखी थीं और फिर मुझे पता चला कि यह सब इंटरनेट पर है। उन्होंने आगे कहा कि जाहिर है, मैं उस समय क्या कर सकती थी? मैं सदमे में थी, और अभी भी वही चल रहा है। यह एक बहुत ही दिमागी तौर पर परेशान करने वाली घटना है, जो बदकिस्मती से हुई है। अभिनेत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि सिर्फ इसलिए नहीं कि मेरी मम्मी का स्वास्थ्य ठीक नहीं है, बल्कि कोई भी पेरेंट्स अपने बच्चे को लेकर अगर ऐसी कोई भी चीज सुनेंगे, खासकर जब बच्चे बाहर रहते हैं, तो यह चिंता की बात है। मेरी मां को घबराहट हो गई और वह ऐसी थी, 'यह क्या हो रहा है? मतलब कहां

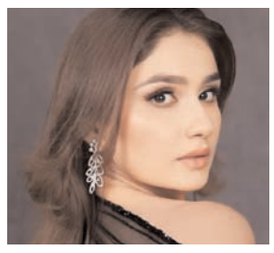

से आ रहा है, यह क्या न्यूज है?' उन्हें कोई आइडिया नहीं था।

बनर्जी ने कहा कि मेरे पापा कोलकाता में रहते हैं। उन्होंने कहा कि 'चलो बस आते हैं, साथ बैठकर देखते हैं कि क्या हो रहा है।' तभी मैंने और मेरी टीम ने तय किया कि अभी उन्हें यहां आने की जरूरत नहीं है। हम लोग देखते हैं कि क्या कर सकते हैं, हम अगला कदम क्या उठा सकते हैं।उन्होंने कहा कि मैं बस ये पता लगाने के लिए आई हूं कि ये जो भी चीजें हुई हैं, वो गलत हैं और ये तुरंत हटा ली जाए, ताकि किसी की छवि खराब न हो। ये बात बिल्कुल भी पब्लिसिटी की नहीं है। तो उस तरीके से आप लोग प्लीज इस चीज को मत देखिए। हमारा अगला कदम कानूनी होगा क्योंकि, उसके अलावा, हमारे पास कोई दूसरा ऑप्शन नहीं बचा है। अभिनेत्री ने कहा कि मैं सबसे अपील करना चाहती हूं, सभी मीडिया वालों से, कोई भी न्यूज लगाने से पहले, किसी का भी फोटो लगाने से पहले, इस्तेमाल करने से पहले, आप वेरिफाई कीजिए, री-वेरिफाई कीजिए। इस तरह का कदम नहीं उठाना गैर-जिम्मेदाराना है।

पूजा

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने मंगलवार को मुंबई के मुंबादेवी मंदिर में पूजा-अर्चना की।

इंडस्ट्री में मैं जनता को खुश करने के लिए आई हूं : काजल राघवानी

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी इन दिनों रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' और अपने सोशल मीडिया बयानों के कारण चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने सोमवार को फिल्म इंडस्ट्री के कुछ कलाकारों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि कुछ लोग उन्हें झूठा साबित करने पर तुले हुए हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट जारी किया, जिसमें उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री के 3 लोग उनका काम, टैग और हक छीनने में तुले हुए हैं। अभिनेत्री ने जारी किए गए नोट पर लिखा, सत्य हमेशा सत्य होता है और सत्य को झूठे लोग कुछ समय तक दबा जरूर सकते हैं, लेकिन सत्य को झूठ में परिवर्तित नहीं कर सकते हैं। मैंने जो कहा है सच कहा है और वो सब जानते हैं और जो अपने स्टारडम के दम पर इसे झुठलाना चाहते हैं, मुझे झूठा साबित करने पे तुले हुए हैं 3 लोग मिलके तो सोचिए मेरी बात कितनी सच्ची होगी जिसे आप सब को मिलके झूठा साबित करने के लिए इस लेवल तक जाना पड़ रहा है। अभिनेत्री ने अपना नोट शेयर करते हुए लिखा, बाप रे ये तो सब में बेस्ट है। लोगो में छीनने की आदत पड़ी है। चाहे काम हो, किसी का हक या फिर, किसी का टैग।अभिनेत्री का कहना है कि वे अपने काम से जनता को अपनाने आई हैं, न की किसी एक्टर को। उन्होंने लिखा, इस इंडस्ट्री में मैं किसी एक्टर को खुश करने के लिए नहीं आई हूं, बल्कि जनता का दिल जीतने के लिए आई हूं और वे ये सब देख ही रहे हैं।अभिनेत्री दिनेश लाल यादव निरहुआ के द्वारा दिए बयान पर पलटवार करते हुए लिखा, एक कहते हैं कि पत्नी से प्यार नहीं है। जाहिर है क्योंकि उनकी पत्नी के साथ एक वीडियो वायरल हो गया था, तो सफाई भी देनी बनती है। एक प्रचार के लिए पत्नी को अपनाए और फिर छोड़ दिया। आज शो में कह रहे की एक लड़की भाव नहीं दे रही थी तो चार दिन बात नहीं की और फिर आई लव यू बुलवाया। फिर, जय श्री राम। वाह रे सरस्वती पुत्र की जय हो। गौरतलब है कि अभिनेत्री का यह पोस्ट तब आया, जब भोजपुरी बवाल के हालिया एपिसोड में पवन सिंह, आम्रपाली और दिनेश लाल यादव निरहुला ने काजल राघवानी को घेरा था। हालांकि, शो में काजल राघवानी मौजूद नहीं थी।

फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग शुरू, दुनिया के खत्म होने की कहानी

मुंबई/एजेन्सी

रणवीर सिंह की महत्वाकांक्षी नई सर्वाइवल फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग आज से शुरू हो गई है। अनन्या बिरला के बिरला स्टूडियोज, टू स्टोरी फिल्म्स और मां कसम फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। 'प्रलय' में खत्म हो जाएगी आपकी जानी-पहचानी दुनिया तैयार हो जाइए इंसानियत के अस्तित्व की लड़ाई देखने के लिए! रणवीर सिंह की मुख्य भूमिका वाली 'प्रलय' एक महत्वाकांक्षी एंड-ऑफ-द-वर्ल्ड एक्शन थ्रिलर है। फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर मुंबई में शुरू हो गई है। इसके साथ ही भारतीय सिनेमा की बड़े पैमाने पर बनाई जा रही फिल्मों में से एक की शूटिंग शुरू हो गई है।यह फिल्म 'धुरंधर' और 'धुरंधर द रिवेंज' के बाद रणवीर सिंह की अगली बड़ी फिल्म है। दोनों फिल्में अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हैं। 'प्रलय' के साथ रणवीर एक बार

फिर ऐसी दुनिया में कदम रख रहे हैं, जिसे भारतीय सिनेमा में पहले इस तरह नहीं देखा गया है। अपनी पीढ़ी के बेहतरीन कलाकारों में गिने जाने वाले रणवीर फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ इसके निर्माता भी हैं। यह कहानी उनसे शारीरिक मेहनत के साथ-साथ भावनाओं को भी मजबूती से दिखाने की मांग करती है।अनन्या बिरला के लिए 'प्रलय' बिरला स्टूडियोज की एक खास फिल्म है। इसके जरिए वह सिनेमा में कुछ नया करने की कोशिश कर रही हैं और भारत के नए दौर के प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम कर रही हैं।

हंसल मेहता और साहिल सैगल की टू स्टोरी फिल्म्स के लिए 'प्रलय' ऐसी कहानी पेश करने की कोशिश है, जो अपने कंटेंट के जरिए कुछ अलग करे। यही सोच इस फिल्म की सबसे खास बातों में से एक है।'प्रलय' में 'लोका' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में नई पीढ़ी के कई प्रतिभाशाली कलाकार भी साथ आए हैं।भारत और दुनिया भर के बेहतरीन क्रिएटिव और टेक्निकल टैलेंट के साथ बनाई जा रही 'प्रलय' का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। हंसल मेहता के साथ मिलकर उन्होंने 'स्कैम 1992: द हर्षद मेहता स्टोरी' का निर्देशन किया था और 'लुटेरे' के लिए भी उन्हें काफी सराहना मिली। 'प्रलय' दर्शकों को एक ऐसी रोमांचक कहानी में ले जाएगी, जहां दुनिया के खत्म होने का खतरा सामने है। फिल्म बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है, लेकिन इसकी कहानी इंसानी भावनाओं से भी जुड़ी होगी।मुंबई की पहचान और यहां के अलग-अलग इलाकों की पृष्ठभूमि में बनी 'प्रलय' एक ओरिजिनल कहानी है। फिल्म में बड़े और शानदार दृश्य देखने को मिलेंगे, लेकिन इसके साथ ही कहानी इंसानी भावनाओं पर भी ध्यान देगी। फिल्म की कहानी सर्वाइवल, हिम्मत और उन चीजों के लिए लड़ने की है, जो सबसे ज्यादा मायने रखती हैं, खासकर तब जब दुनिया धीरे-धीरे खत्म होने लगे।फिल्म की शूटिंग मुंबई और उसके आसपास की असली लोकेशन्स पर की जा रही है। मेकर्स असली जगहों पर शूटिंग करके फिल्म को ज्यादा वास्तविक बनाना चाहते हैं। इससे फिल्म में ज्यादा गहराई और रोमांच आएगा और दुनिया के खत्म होने की कगार पर खड़ी इस कहानी को दर्शकों के लिए और भी असली बनाया जा सकेगा। कई महीनों तक तकनीकी और गहन प्री-प्रोडक्शन के बाद अब 'प्रलय' के कैमरे चल पड़े हैं। फिल्म को बहुत बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है। शूटिंग शुरू होने से पहले ही यह भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल हो चुकी है।

सुबोधिनी श्रीमद्भागवत कथा का समापन व आभार प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी सभा के अंतर्गत श्री माहेश्वरी सत्संग समिति के तत्वावधान से पावन श्रावण मास में श्री माहेश्वरी भवन में गत 11 से 17 अगस्त तक आयोजित सप्तदिवसीय सुबोधिनी श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अहमदाबाद से आए आचार्य श्री गोवर्धनेशजी महोदयश्री के ओजस्वी वाणी से सात दिन तक सुबोधिनी श्रीमद भागवत कथा की ज्ञानगंगा का प्रवाह चल रही थी, जिसमें बारह अध्याय से विभिन्न लीला के प्रसंग का वर्णन कर भक्तों के चित्त को शान्त करने का प्रयास किया। इस पावन एवं आध्यात्मिक आयोजन को सफल बनाने में मुख्य मनोरथी कांता नारायण दास राठी परिवार सहित समाज से जुड़े सभी मनोरथियों, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समिति की ओर से आप सभी के प्रति हम हृदय से बहुत-बहुत आभार एवं हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करते हैं। भविष्य में भी इसी प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु आपके निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन की अपेक्षा रहेगी।

मंत्री किशोर कुमार जेठा ने बताया इस आयोजन की सफलता में हमारी समिति के प्रत्येक सदस्य ने जिस उत्साह, समर्पण, अनुशासन एवं सेवाभाव के साथ अपना योगदान दिया, वह अत्यंत प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है। अध्यक्ष बंशीलाल दलाल ने कहा कि यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की एकजुटता, श्रद्धा, सेवा एवं समर्पण का सुंदर उदाहरण रहा। हम सभी कामना करते हैं कि प्रभु श्रीकृष्ण की कृपा एवं आशीर्वाद सदैव हम सभी पर बना रहे और समाज में धर्म, भक्ति, संस्कार एवं सेवा के कार्य निरंतर इसी प्रकार आगे बढ़ते रहें।

जिनशासन की आन, बान,शान की रक्षा का संकल्प लें : गणिवर्य मनीषप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां रिथर्डन रोड स्थित कुशल बाग में मंगलवार को खरतर दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गणिवर्य मनीषप्रभसागरजी म.सा. ने कहा कि जैन धर्म तीर्थंकर परमात्माओं की साधना और देशना पर आधारित है। परमात्मा ने साधु-साध्वी के लिए आध्यात्मिक साधना तथा श्रावक-श्राविका के लिए श्रावक धर्म की साधना के दो मार्ग बताए हैं। दोनों का अंतिम लक्ष्य आत्मकल्याण है। उन्होंने कहा कि तीर्थंकर परमात्मा सीमित अवधि तक देशना देते हैं, लेकिन उनके द्वारा स्थापित जिनशासन को युगों-युगों तक जीवंत और गतिमान बनाए रखने में आचार्य भगवंतों का अतुलनीय योगदान रहा है। अनेक आचार्यों ने शासन-प्रभावना के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया और आवश्यकता पड़ने पर प्राणों की भी परवाह नहीं की।

गणिवर्य ने कहा कि प्रत्येक श्रावक-श्राविका का संकल्प होना चाहिए-मेरे आचरण, विचार, वाणी या किसी भी कृत्य से जैन धर्म पर कोई उंगली न उठे। साधु जीवन त्याग, संयम और आत्मसाधना का जीवन है तथा शिथिलता का अर्थ परमात्मा द्वारा निर्धारित सिद्धांतों एवं साधु-मर्यादाओं के विपरीत आचरण करना है। उन्होंने देवचंद्रजी, आनंदघनजी सहित महान आचार्यों का स्मरण करते हुए तन, मन, धन और विचारों से जिनशासन के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया।

साध्वीश्री प्रियरंजनाश्रीजी ने कहा कि स्थापना दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि उन महान तपस्वी आचार्यों के तप, त्याग और पुरुषार्थ को स्मरण करने का अवसर है, जिन्होंने जिनशासन की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि गच्छाधिपति की प्रेरणा से स्थापना दिवस को ऐसे महापुरुषों के जीवन से जोड़ने का उद्देश्य यही है कि उनके त्याग और शासन-समर्पण से वर्तमान पीढ़ी प्रेरणा ले। साध्वीश्री शुभांजनाश्रीजी ने कहा कि महान आचार्यों का जीवन त्याग, तपस्या, ज्ञान और पुरुषार्थ की प्रेरणा देता है। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने ज्ञान और तर्कशक्ति से बड़े-बड़े शास्त्रार्थियों को पराजित कर जिनशासन की प्रभावना की। उन्होंने श्रावक-श्राविकाओं से आह्वान किया कि आचार्य भगवंतों के जीवन से प्रेरणा लेकर जिनशासन की भक्ति, प्रभावना और धार्मिक परंपराओं की रक्षा को अपने जीवन का संकल्प बनाये।

राणी दादी का मंगलपाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। यहां दादी परिवार द्वारा हर महीने कि भांति इस महीने भी दादी परिवार की ओर से श्रावण मास में सिंजारे एवं राणी सती दादी का मंगल पाठ गणेश मन्दिर रायपुरम तिरुपुर में सुबह 11, बजे गणेश वन्दना के साथ श्रीगणेश किया गया। दोपहर में महाआरती एवं महाप्रसाद दादी के मंगल पाठ के इस कार्यक्रम में काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

दादी को मीठे मीठे भजन 'मेरे सिर पे रख दो दादी अपने ये दोनों हाथ...', 'देना हो तो दीजिए जन्म जन्म का साथ दादी'' आदि से रिझाया गया। दादी परिवार की अध्यक्ष शिलाशाह के नेतृत्व में पदाधिकारी बीरा कामदार, मिनाक्षी सरावगी, चंदा डिडवानिया, सरिता तुलस्यान, अन्नपुर्णा झुंझुनूं वाली, सुमन गुप्ता, पुनम जोशी, मंजु पारस , अर्पिता पित्ती, मधु चौधरी आदि उपस्थित रहे।

ज्ञान के साथ क्रिया, शांति, आत्मभावना और इंद्रिय-संयम ही आत्मकल्याण का मार्ग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि श्री तीर्थचैतन्य विजयजी म.सा. ने प्रवचन में भगवान की वाणी के महत्व को समझाते हुए कहा कि भगवान ने जो मार्ग बताया है, वह केवल सुनने या जानने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए है। हमारे पास भगवान की वाणी का जितना अंश उपलब्ध है, उसका भी वास्तविक मूल्य समझकर उसके अनुसार जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। मुनिश्री ने संसार-सागर से पार होने के लिए तीन प्रकार की नाव का उदाहरण देते हुए कहा कि पत्थर की नाव स्वयं भी डूबती है और उसमें बैठे लोगों को भी डुबो देती है। कागज की नाव कुछ समय तैरने के बाद गलकर डूब जाती है, जबकि काष्ठ की नाव स्वयं भी तैरती है और उसमें बैठे यात्रियों को भी पार कराती है। इसी प्रकार चारित्र जीवन काष्ठ की नाव के समान है, जो व्यक्ति को संसार-सागर से पार होने का मार्ग दिखाता है। उन्होंने कहा कि वास्तविक ज्ञानी वही है, जिसके जीवन में ज्ञान के साथ क्रिया, शांति, आत्मभावना और इंद्रिय-संयम हो। सोलह भावनाओं के निरंतर चिंतन से मन को शुद्ध और आत्मा को भावित करने का प्रयास करना चाहिए। ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह हमारे आचरण और व्यवहार में दिखाई दे।

मुनिश्री ने राग-द्वेष को बढ़ाने वाली वस्तुओं, विषयों और संगति से सावधान रहने की प्रेरणा देते हुए कहा कि हमें निरंतर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए कि मोबाइल, टेलीविजन, समाचार अथवा अन्य माध्यमों का उपयोग हमारे मन को शुद्ध कर रहा है या मलिन। जो वस्तु मन को विकारों की ओर ले जाए, उससे संयमित दूरी बनाना ही वास्तविक साधना है। उन्होंने कहा कि भगवान हमें संसार-सागर से पार होने का मार्ग दिखा चुके हैं। अब आवश्यकता केवल भगवान की वाणी को समझने, उसे जीवन में उतारने और आत्मकल्याण के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ने की है।आचार्यश्री से आशीर्वाद दिलवाया। अध्यक्ष बंशीलाल दलाल ने उन सभी समाज बंधुओं को जिनके तन, मन और धन से इस तरह का कार्यक्रम आयोजन करने हेतु धन्यवाद ज्ञापन किया।

फैब स्टार्स आइकॉनिक अवार्ड्स के छठे संस्करण का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रतिष्ठित फैब स्टार्स आइकॉनिक अवार्ड्स के छठे संस्करण का आयोजन चेन्नई के एक पंच सितारा होटल में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य के मछुआरा कल्याण एवं मत्स्य पालन मंत्री ए. श्रीनाथ थे । इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स में अभिनेत्री राम्यापांडियन, कृतिका बालासुब्रमण्यम, भारतीय फिल्म निर्देशक और अभिनेता रवि मारिया, अभिनेत्री अबेनेया नेथ्रन थलाइवासल विजय, निर्देशक प्रवीण बेनेट, विजय कुमार राजेंद्रन, जयप्रकाश, कमेंटेटर मुथु, दिव्या गणेश, नंदगोपालकृष्ण, अभिनेत्री क्षरा गौड़ा एवं रक्षिता सहित फिल्म जगत के अनेक अभिनेता एवं अभिनेत्री उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में अभिनेता जॉन विजय,संतोष प्रताप, उमैर, बाल कलाकार लिथन्या शिवबालन, निर्माता विलियम पैट्रिक, विनोद सागर, अदित्या कथिर, अभिनेत्री संयुक्ता, हरि प्रिया, अरशद एवं अन्य प्रसिद्ध कलाकारों एवं उद्यमियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन फैजा खान एवं अब्दुल ने किया जिनके अथक प्रयासों से देश भर की प्रतिभाओं को सम्मानित करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए मंच तैयार किया गया।

अर्जित धन का दान व सदुपयोग कर जीवन में पुण्य कमाएं : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में बेंगलूरु चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित 'संजीवनी चातुर्मास-2026' में मंगलवार को सभा की मंगल शुरुआत कुशल श्री जयवंत मुनि जी के मधुर गीत से हुई। श्रमण संघीय डॉ समकित मुनिजी ने जीवन में समय के सदुपयोग, आत्मकल्याण तथा दान की महिमा पर अत्यंत सारगर्भित उद्बोधन दिया।

समय के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, समय गंवाने वाला गंवार होता है। जीवन यापन के लिए चार रोटी, एक मकान और एक दुकान पर्याप्त है, इसलिए व्यर्थ की चिंता, परिग्रह और आसक्ति को बढ़ाने के बजाय जीवन को सार्थक बनाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। यदि वर्तमान समय का सदुपयोग अच्छे कार्यों में नहीं किया, तो समय बीत जाने के बाद स्वयं से शिकायत होगी कि जो मैं कर सकता था, वह मैं कर नहीं पाया।

उस समय शिकायत दुनिया से नहीं, बल्कि स्वयं से होगी। जो पाप मजबूरी में हो जाते हैं, उन्हें त्याग, तपस्या, धर्मसाधना, दान और अन्य पुण्य कार्यों के माध्यम से धोकर कर्मनिर्जरा का प्रयास करना चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि स्वयं भी शांति से जिएं और दूसरों को भी शांति से जीने दें। दान को श्रावक का पहला धर्म और प्रमुख कर्तव्य बताते हुए उन्होंने कहा कि अपने धन को लावारिस या अनाथ न बनाएं। जो धन आपने कमाया है, यदि उसे स्वयं भोग नहीं सकते और जरूरतमंदों की सहायता व सेवा में दान भी नहीं कर सकते, तो केवल संग्रह करने से व्यक्ति उस धन पर बैठे सांप या चूहे के समान बन जाता है।

दक्षिण भारतीय राजस्थानी प्रवासी वॉलीबॉल फेडरेशन टूर्नामेंट का समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजपुरोहित स्पोर्ट्स क्लब, चेन्नई के तत्वावधान में आयोजित दक्षिण भारतीय राजस्थानी प्रवासी वॉलीबॉल फेडरेशन टूर्नामेंट का 15 एवं 16 अगस्त को भव्य एवं सफल आयोजन हुआ। टूर्नामेंट में दक्षिण भारत के विभिन्न शहरों से करीब 24 टीमों ने भाग लिया। वहीं 5 लीजेंड्स टीमों ने भी प्रतियोगिता में शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य प्रतियोगिता में राजपुरोहित युवा, मदुरई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। एसकेवीसी बेंगलूरु उपविजेता रहा, जबकि राजपुरोहित स्पोर्ट्स क्लब, मदुरई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लीजेंड्स वर्ग में बेंगलूरु लीजेंडस विजेता तथा मदुरै लीजेन्ड्स उपविजेता रही।

आयोजकों ने बताया कि यह टूर्नामेंट केवल खेल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि खेल भावना, सामाजिक एकता, भाईचारे और आपसी सहयोग का शानदार उदाहरण बना। खिलाड़ियों, टीम प्रबंधकों, अतिथियों, दर्शकों एवं समाजबंधुओं के उत्साह और सहयोग से आयोजन यादगार रहा। आयोजन की सफलता में राजपुरोहित स्पोर्ट्स क्लब, चेन्नई की पूरी आयोजन समिति का महत्वपूर्ण योगदान रहा। क्लब के अध्यक्ष सुरेश सिंह, संरक्षक गणपत सिंह, कोषाध्यक्ष विक्रम सिंह एवं सचिव मूल सिंह के कुशल मार्गदर्शन और अथक प्रयासों से टूर्नामेंट का सफल आयोजन संभव हुआ।

भाव बदलेंगे तो जीवन बदलेगा : पं. ज्ञानबोधि विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री वेपेरी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य श्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म. के शिष्य पंन्यास ज्ञानबोधि विजयजी म. ने मंगलवार के प्रवचन में 'ललित विस्तरा' ग्रंथ के अंतर्गत जयवीयराय प्रार्थना सूत्र का भावपूर्ण विवेचन करते हुए कहा कि सूत्र की मात्रा छोटी है, लेकिन इसमें मार्गानुसारी से लेकर मोक्ष तक की संपूर्ण आध्यात्मिक यात्रा का सार समाहित है। उन्होंने कहा कि जीवन के कल्याण के पांच महत्वपूर्ण आयाम हैं द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव और भव। इन सभी का व्यक्ति के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है, लेकिन भावों की विशेष महत्ता है। व्यक्ति के शुभ-अशुभ भाव केवल उसे ही प्रभावित नहीं करते, बल्कि सामने वाले व्यक्ति और आसपास के वातावरण पर भी उनका प्रभाव पड़ता है। हम जहां रहते हैं, जहां जाते हैं और जिस वातावरण में रहते हैं, उसका हमारे विचारों और भावनाओं पर गहरा प्रभाव पड़ता है।हमारे मन के भावों का सूक्ष्म प्रभाव वनस्पति जगत तक पहुंचता है। इसलिए भावों की शुद्धता जीवन की

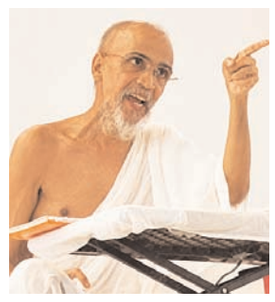

दिशा निर्धारित करती है।

भाव की शक्ति बताते हुए पंन्यासश्री ने कहा, ''जो ताकत दवाई में नहीं होती, वह ताकत दुआ में होती है। दुआ केवल जुबान से नहीं, दिल से निकलती है। कई बार जहां दवा और धन काम नहीं आते, वहां सच्चे हृदय से निकली दुआ अपना प्रभाव दिखाती है। उन्होंने कहा कि भावों का प्रभाव दूसरों पर पड़ने से पहले स्वयं व्यक्ति पर पड़ता है। शुभ भाव शांति, प्रसन्नता और सकारात्मकता देते हैं, जबकि अशुभ भाव स्वयं को अशांत करते हैं। उन्होंने कहा कि द्रव्य, क्षेत्र और काल भी भावों को प्रभावित करते हैं। शुभ द्रव्य, क्षेत्र और काल अच्छे भावों को जन्म देते हैं। उदाहरण द्वारा समझाया कि थिएटर के वातावरण से उत्पन्न भावों को बदलने के लिए मंदिर जैसे पवित्र क्षेत्र की आवश्यकता होती है। पाप की क्रिया के सामने धर्म की क्रिया खड़ी करनी होगी। चातुर्मास इसी भाव-परिवर्तन का श्रेष्ठ अवसर है।''

संतों के सान्निध्य का प्रभाव बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रेमसूरी दादा गुरु की आभा में बैठने मात्र से सकारात्मक भाव जागृत होने लगते थे। यह उनके व्यक्तित्व और उनके निर्मल भावों का प्रभाव है।मैत्रीभाव का प्रभाव पशु-पक्षियों तक पर दिखाई देता है। रास्ते में एक चींटी दिखाई दे तो उसे बचाने का भाव जागना ही हमारे संस्कारों की पहचान है। उन्होंने पुण्या श्रावक की श्रद्धा का उल्लेख करते हुए कहा कि महावीर प्रभु की करुणा मेरे ऊपर है, इसलिए मैं प्रसन्न हूं। यह परमात्मा के प्रभाव को स्वीकार करने की दृष्टि है। शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु के प्रभाव से तपस्या करने वाली श्राविका का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा,शंखेश्वर दादा साचो, दूजारो आसरो काचो। संभवनाथ प्रभु के प्रभाव से असंभव भी संभव हो जाता है। पंन्यास प्रवर ने श्रद्धालुओं से आगामी आध्यात्मिक पर्वों को आत्मशुद्धि का अवसर बनाते हुए अट्ठम तप सहित विभिन्न आराधनाओं से जुड़ने तथा अशुभ भावों को शुभ भावों में परिवर्तित करने का आह्वान किया।

तप, त्याग, सेवा व समर्पण से ही आत्मानंद की अनुभूति संभव : जयतिलक मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एस.एस. जैन संघ, साहुकारपेट के तत्वावधान में जैन भवन के प्रांगण में विराजित जयगच्छ सम्प्रदाय के आचार्यश्री पार्श्वचन्दजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती, श्री जयतिलक मुनिजी म.सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि तप, त्याग, सेवा और समर्पण से ही आत्मानंद की अनुभूति संभव है। गुरुदेव ने कहा कि बुजुर्गों, गुरुजनों, माता-पिता, दादा-दादी, पति-पत्नी अथवा किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति की सेवा करना ही वास्तविक तप है। केवल अपने शरीर की देखभाल करना धर्म नहीं है, बल्कि दूसरों के सुख-दुःख में सहभागी बनना ही सच्ची साधना है। उन्होंने कहा कि सुख भोगते रहने से कर्मों की निर्जरा नहीं होती, जबकि सेवा और त्याग के भाव से आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है।

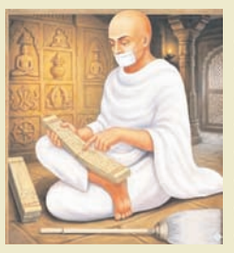

उन्होंने कहा कि जिसके मन में सेवा की भावना होती है, वही सच्ची सेवा कर सकता है। मनुष्य को अपने मन को सदैव शुभ भावों में रमण कराना चाहिए। अशुभ कर्मों के उदय से ही सेवा कराने की इच्छा उत्पन्न होती है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को यह भावना रखनी चाहिए कि सभी प्राणी रोगमुक्त और सुखी रहें। गुरुदेव ने कहा कि आज कई लोग अपने घर-परिवार की सेवा करने से कतराते हैं, लेकिन बाहर जाकर सेवा के नाम पर प्रसिद्धि और फोटो की लालसा रखते हैं। सच्ची सेवा वही है, जिसमें किसी प्रकार की अपेक्षा न हो। उन्होंने कहा कि अच्छे और नेक कार्यों में लोग अपेक्षाकृत कम जुड़ते हैं। आमोद-प्रमोद के लिए लोग धर्मकार्य छोड़ देते हैं, किन्तु धर्मकार्य के लिए मनोरंजन के कार्यक्रमों का त्याग नहीं करते, जो चिंतन का विषय है।

आज नवकार महामंत्र का जाप शान्तिलाल ऋषभ सुराणा परिवार के यहां सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन संघ अध्यक्ष डॉ. संजय पिंचा ने किया। वर्तमान में सिद्धितप की आराधना भी चल रही है। धर्मसभा में जसराज, भद्रेश, जितेन्द्र भंडारी, भरत नाहर, महावीर ललवानी, कान्तिलाल छल्लानी, मुकन बोहरा एवं सुभाष कोठारी सहित अनेक श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे। यह जानकारी संघ महामंत्री पृथ्वीराज बागरेचा ने दी।

जीवन का सच्चा सुख त्याग में है : साध्वीश्री मंगलज्योति

बेंगलूरु। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि जीवन का सच्चा सुख त्याग में है, भोग में नहीं। वस्तु पर से ममत्व भाव हटाना यह त्याग है और उस वस्तु की चाहना, ममत्व, ममता रखना यह आसक्ति रूप है। वस्तु की चाहत न रखकर समभाव, उदासीनता रूप आवश्यकता के रूप में उसे ग्रहण करना यह त्याग के साथ वैराग्य भाव को बढ़ाने वाला है, क्योंकि वैराग्य भाव से ही आत्मा संसार के भौतिक, नाशवान अनित्य क्षणभंगुर,क्षणिक सुख देने वाले इन पुद्गल पदार्थों से आसक्ति भाव कम करके ,उन इच्छाओं से विरक्त होते हुए अपने आत्मा का स्व कल्याण कर सकते हैं। प्रारंभ में साध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने आगम वाणी श्री आचांराग सूत्र पर कहा कि इसका एक -एक सूत्र कल्याणकारी और मंगलकारी है, जो हमारे जीवन की दशा को बदल सकता है ।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.